संस्कृत सोपानम्

सहायक पुस्तिका
6-8

लेखक :
अशोक सारस्वत
एम० ए० (संस्कृत), बी० एड०

Irish BOOKS

संस्कृत सोपानम्-6

1 प्रार्थना

अभ्यासकार्यम्

1. क. बालका: ईश्वरस्य शरणं व्रजन्ति।
   ख. जगत्कारणाय सत्यस्वरूपं परमात्मम् नमस्ते।
   ग. बालका: बलं देशरक्षायै हेतो: याचन्ते।
   घ. बालका: शूरवीरा: भवितुम इच्छन्ति इत्यर्थम् बुद्धिम् याचन्ते।
   ङ. अर्थ—'हम आपके पुत्र शूरवीर बने (होवें)'।
2. क. तदेकं **जगतसाक्षिरूपं** नमाम:।
   ख. नमस्ते **सते ते** जगत्कारणाय।
   ग. नमोऽ**द्वैततत्वाय मुक्तिप्रदाय नमो ब्राह्मणे** व्यापिने **शाश्वताय**।
   घ. गुरुन् **मातरं** चापि **तातं** नमाम:।

3.

जगतसाक्षिरूपं	=	**जगत्**	+	**साक्षिरूपं**
नमोऽद्वैततत्वाय	=	**नम:**	+	**अद्वैततत्वाय**
जगत्कारणाय	=	**जगत्**	+	**कारणाय**
देशरक्षाबलं	=	**देश**	+	**रक्षाबलं**
सर्वलोकाश्रयाय	=	**सर्वलोक**	+	**आश्रयाय**
चापि	=	**च**	+	**अपि**
मुक्तिप्रदाय	=	**मुक्ति**	+	**प्रदाय**
तदेकं	=	**तत्**	+	**एकं**

क्रियात्मकं कार्यम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

2 वाराणसी नगरी

अभ्यासकार्यम्

1. क. वाराणस्या प्राचीनतम् नाम काशी आस्ति।
   ख. वाराणस्या विस्तरेण वर्णनं स्कन्दपुराणस्य काशीखण्डे विहितम्।
   ग. विश्वनाथमन्दिरं वाराणसी नगर्याम् अस्ति।
   घ. पितृणां श्राद्धक्रियां पिशाचमोचनं नामकं स्थाने भवति।
   ङ. भगवान्बुद्ध: शिष्येभ्य: प्रथमज्ञानोपदेशं सारनाथ स्थितं बौद्धमन्दिरे अददात्?
2. क. **वाराणसी** एकं प्रसिद्धं **तीर्थस्थानं** अस्ति।
   ख. इदं **काशीनाम्नापि** प्रसिद्धं वर्तते।
   ग. **गंगाया:** पवित्रे तटे इयं नगरी विराजमाना अस्ति।
   घ. अत्रेव एकं **पिशाचमोचनम्** नामकं तीर्थमस्ति।
   ङ. यत्र यात्रिण: आगत्य **पितृणां श्राद्ध** क्रियां कुर्वन्ति।
3. क. प्रसिद्धं = वाराणसी **प्रसिद्धं** तीर्थ स्थानम् अस्ति।
   ख. अत्रैव = बालका: **अत्रैव** प्रतिदिनं क्रीडन्ति।
   ग. नवीन = **नवीन** विश्वनाथ मन्दिरम् अपि अत्रैव अस्ति।
   घ. सन्ति = वृक्षे अनेकानि पुष्पाणि **सन्ति**।
   ङ. मनोहरा: = गंगाया: तीरे **मनोहरा:** घट्टा: सन्ति।

4.

एकं	=	अनेकं	प्रसिद्धं	=	अप्रसिद्धम्
प्राचीनं	=	नवीनम्	पवित्रे	=	अपवित्रे
सन्ध्याकाले	=	प्रात:काले	तत्र	=	अत्र

5.

क.	तीर्थस्थानम्	=	तीर्थ	+	स्थानम्
ख.	काशीनाम्नापि	=	काशीनामम्	+	अपि
ग.	प्राचीनग्रन्थेषु	=	प्राचीन	+	ग्रन्थेषु
घ.	कालभैरवमन्दिरम्	=	कालभैरव	+	मन्दिरम्

6. क. वाराणसी एकं प्रसिद्धं तीर्थस्थानम् अस्ति।
   ख. तस्या तीरे अनेके मनोहरा: घट्टा: सन्ति।
   ग. तत्र केचन् स्नान्ति केचन् संध्या वन्दनम् कुर्वन्ति।
   घ. अत्र महान् जनसमुदाय: एकत्रित: भवति।
   ङ. अत्र सदैव भिन्न-भिन्न प्रदेशेभ्य: जना: आगच्छन्ति।

क्रियात्मकं कार्यम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

3 जलमेव जीवनम्

अभ्यासकार्यम्

1. क. नृप: वने आखेटाय गच्छति।
   ख. सेवका: जलम् अन्वेषयन्ति यतोहि राजा पिपासया व्याकुल: आसीत्।
   ग. ग्रामीण: जलं लताकुञ्जे कूपात् आनयति।
   घ. वारिण: किमपि मूल्यं नास्ति यतोहि तत् अमूल्यम् अस्ति।
   ङ. ग्रामीण: पारितोषिकं अत: न स्वीकरोति यतोहि यदा ईश्वर: विना मूल्यं सर्वेभ्य: वारि यच्छति तु वारिण: पारितोषिकम् अहं किमर्थं गृहणयाम्।
2. क. नृप: **आखेटाय** सेवकै: सह वनमगच्छत्।
   ख. "भद्र! तव **घटे** किमस्ति?"
   ग. "वयं सर्वे **पिपासाकुला:** स्म:।"
   घ. "कोऽपि वारिण: **मूल्यदाने** समर्थ: नास्ति।
   ङ. वारिण: **अपव्ययं** कदापि न करणीयम्।
3. क. वने ख. जलम् ग. जलम्
4.

		क्रिया:	**उपसर्ग-धातु:**	**आत्मनेपदी या परस्मैपदी**	**लकार:**	**पुरुष:**	**वचनम्**
क.		अगच्छत्	**गम्**	**परस्मैपदी**	**लङ्**	**प्रथम:**	**एकवचनम्**
ख.		प्रत्यागच्छत्	**प्रति+गम्**	**परस्मैपदी**	**लङ्**	**प्रथम:**	**एकवचनम्**
ग.		यच्छेयम्	**यच्छ्**	**परस्मैपदी**	**विधिलिङ**	**उत्तम:**	**एकवचनम्**
घ.		अपृच्छत्	**पृच्छ्**	**परस्मैपदी**	**लङ्**	**प्रथम:**	**एकवचनम्**
ङ.		आनयामि	**आ+नी**	**परस्मैपदी**	**लट्**	**उत्तम:**	**एकवचनम्**
च.		प्रयच्छति	**प्र+यच्छ्**	**परस्मैपदी**	**लट्**	**प्रथम:**	**एकवचनम्**

5. क. तस्मिन् सरोवरे पर्याप्तं जलमस्ति।
   ख. जले कमलानि विकसन्ति।
   ग. राजा पिपासया व्याकुल: आसीत् जलं विना च सङ्कटे आसीत्।
   घ. जलदानम् ईश्वर: सर्वेभ्य: करोति।
   ङ. कोऽपि जन: जलस्य मूल्यदाने असमर्थ: अस्ति।
6. क. दोपहर के समय वह प्यास से व्याकुल हो गया।
   ख. यदि इस समय कोई भी मुझे जल दे दे तो उसे आधा राज्य भी दे दूँ।
   ग. यह पानी कहाँ से ला रहे हो?
   घ. महोदय! क्या कोई भी जल का मूल्य देने में समर्थ है?
   ङ. पानी का अपव्यय कभी मत करो। पानी में दूषित वस्तुएँ भी मत फेंको।

7.

क.	प्रत्यागच्छन्	=	**अति**	+	**अगच्छन्**
ख.	कोऽपि	=	**क:**	+	**अपि**
ग.	ततश्च	=	**तत:**	+	**च**
घ.	नैव	=	**न**	+	**एव**

क्रियात्मकं कार्यम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

4 अस्माकं राष्ट्रपुष्पम्

अभ्यासकार्यम्

1. क. अस्माकं राष्ट्रपुष्पस्य नाम कमलम् अस्ति।
   ख. कमलस्य उत्पत्ति पङ्के भवति।
   ग. कमलस्य सौन्दर्यम् अद्भुतं भवति।
   घ. पङ्केऽपि उत्पन्नं कमलं स्वगुणै: मानं प्राप्नोति।
   ङ. कम्ालस्य वर्ण: रक्त: भवति।
   च. कमलस्य तिस्र: शिक्षा: सन्ति—वयं ज्ञानेच्छुका: भवेम अज्ञानात् च दूरे तिष्ठेम्; संस्कार: प्रधान: गुण: प्रधान:, कुलं न तथा वयमि कमलमिव देशभक्ता: भवेम।

2. क. कमलस्य **सौन्दर्यम्** अद्भुतं भवति।
ख. कमले बहव: **गुणा:** सन्ति।
ग. **सूर्यस्य प्रकाशेन** एतत् विकसति।
घ. कुलं प्रधानं न **संस्कार:** प्रधान:।
ङ. अयं गुण: **देशभक्तिं** सिद्धयति।
च. वयमपि कमलमिव **देशभक्ता:** भवाम।

3. क. कमलपुष्पे ख. म्लानम् ग. उभयम्

4. क. कमलस्य वर्ण: रक्त: भवति।
ख. तत् अति आकर्षकम् अस्ति।
ग. संस्कृत साहित्ये कमलस्य पर्याप्तं वर्णनं लभते।
घ. कमलस्य जलेन सह घनिष्ठं सम्बन्धम् अस्ति।
ङ. गुणै: विभूषित जना: सर्वत्र सम्मानं प्राप्नुवन्ति।
च. गुणाभावे सत्कुले उत्पन्न: जना अपि उपहास पात्राणि भवन्ति।

5. क. पुष्पम् (iii) **लतायाम्**
ख. तिलकम् (iv) **मस्तके**
ग. कमलम् (v) **जले**
घ. सूर्य: (ii) **आकाशे**
ङ. वृक्षे (i) **भूवि**

6. कमलमस्ति = **कमलम्** + **अस्ति**
अस्ताचलम् = **अस्त** + **अचलम**
ज्ञानेच्छुका: = **ज्ञान** + **इच्छुका:**
भूत्वाऽपि = **भूत्वा** + **अपि**
स्थित्वाऽपि = **स्थित्वा** + **अपि**

क्रियात्मकं कार्यम्
विद्यार्थी स्वयं करें।

5 स्वामी विवेकानन्द:

अभ्यासकार्यम्

1. क. स्वामी विवेकानन्दस्य जन्म बङ्गप्रान्ते 1863 तमे वर्षे च अभवत्।
ख. स्वामी महाभागेन स्वामि रामकृष्णपरमहंस महोदयस्य शिष्यत्वं गृहीतम्।
ग. अस्य महाभागस्य पितु: नाम विश्वनाथदत्त: आसीत्।
घ. शिकागो नगरे 1893 तमे वर्षे विश्वधर्मसम्मेलनम् अभवत्।
ङ. निर्भय: भव। शूरवीर: भव। राष्ट्रदेव: भव। विपन्नदेव: भव। नरस्य सेवा एव नारायणस्य सेवा अस्ति। सम्पूर्ण: राष्ट्र: स्नेहसूत्रेण बध्नेत् इति।

2. क. स: **महापुरुष:** आसीत्।
ख. स: बाल्यकालादेव **प्रतिभावन् धर्मजिज्ञासु:** च आसीत्।
ग. समाजस्य **भेदभावान्** निवारयितुं **जनान्** सम्बोधितवान्।
घ. नरस्य सेवा एव **नारायणस्य** सेवा अस्ति।
ङ. लोकसेवाम् उद्दिश्य **रामकृष्ण मिशन** इत्यस्य स्थापनाम् अकरोत्।

3. क. महापुरुष: ख. भेदभावान् ग. भारतीय संस्कृते:

4. क. स्वामी विवेकानन्दस्य बाल्यकालस्य नाम नरेन्द्रनाथ: आसीत्।
ख. स्वामी महोदयेन रामकृष्ण परमहंसस्य शिष्यत्वं गृहीतम्।
ग. स: जनान् भेदभावान् निवारयितुं सम्बोधितवान्।
घ. अनेके जना: तस्य शिष्या: अभवत्।
ङ. स: निर्धनानां रुग्णानाम् असहायजनानां सेवाम अकरोत्।
च. स्वामी विवेकानन्द: 'रामकृष्ण मिशन' नामिकाया: संस्थाया: स्थापनाम् अकरोत्।

5. क. पितु: = **पिता का**
स्वामिन: विवेकानन्दस्य **पितु:** नाम विश्वनाथदत्त: आसीत्।
ख. शिष्यत्वम् = **शिष्यत्व**
स्वामी विवेकानन्देन रामकृष्णपरमंहसस्य **शिष्यत्वं** गृहीतम्।
ग. जनान् = **लोगों को**
स: **जनान्** भेदभावन् निवारयितुं सम्बोधितवान्।
घ. श्रोतार: = **श्रोता**
तस्मिन् सम्मेलने अनेके **श्रोतार:** आसन्।
ङ. दीनानाम् = **गरीबों का**
यूयं **दीनानां** सहायका: भवत।
च. उद्घोष: = **घोषणा**
स: भारतीय संस्कृते: **उद्घोष:** कृवान्।
छ. सम्मेलने = **सम्मेलन में**
स: विश्वधर्म **सम्मेलने** भागं ग्रहीतुम् अगच्छत्।

6.

	शब्द:		**विभक्ति:**	**वचनम्**
क.	भवान्	=	**प्रथमा**	**एकवचनम्**
ख.	धर्मजिज्ञासु	=	**प्रथमा**	**एकवचनम्**
ग.	ऐक्यभावस्य	=	**षष्ठी**	**एकवचनम्**
घ.	स्नेहसूत्रेण	=	**तृतीया**	**एकवचनम्**
ङ.	दीनानाम्	=	**षष्ठी**	**बहुवचनम्**
च.	सहायतया	=	**तृतीया**	**एकवचनम्**
छ.	वर्षे	=	**सप्तमी**	**एकवचनम्**

7. क. स्वामी (iv) **सेवक:**
ख. जन्म (v) **मृत्यु:**
ग. धर्म: (vii) **अधर्म:**
घ. पिता (ii) **माता**
ङ. भय: (vi) **निर्भय:**
च. स्वस्थ: (i) **अस्वस्थ:**
छ. सबल: (iii) **निर्बल:**

8.

नाम	=	**नपुंसकलिङ्गम्**	महापुरुष:	=	**पुंल्लिङ्गम्**
प्रतिभा	=	**स्त्रीलिङ्गम्**	जिज्ञासा	=	**स्त्रीलिङ्गम्**
संस्कृति:	=	**स्त्रीलिङ्गम्**	सूत्रम्	=	**नपुंसकलिङ्गम्**
राष्ट्र:	=	**पुंल्लिङ्गम्**	स्थापना	=	**स्त्रीलिङ्गम्**

क्रियात्मकं कार्यम्
विद्यार्थी स्वयं करें।

6 भ्रातृभक्ति:

अभ्यासकार्यम्

1. क. भरत: श्रीरामम् अन्वेषयति।
ख. भरत: स्वात्मने निर्घृण:, कृतघ्न:, तुच्छ: दुस्साहसी भक्तिहीन : इति शब्दान् प्रयोजयति।
ग. भरतस्य सवरसंयोग: श्रीरामस्य हृदयं क्लेदयति।
घ. भरत: श्रीरामम् आलिङ्गति।
ङ. भरत: अन्यं श्रीरामस्य पादुकार्थं वरं याचते।

2. क. क्व तत्र भवान् **ममार्यो राम:**?
ख. तिष्ठतु तात! अहमेव **निवेदयिष्ये पितृवचनकराय** राघवाय।
ग. इदं शरीरं **प्रह्लादय**।
घ. **पितुर्नियोगात्** अहं वनमागत:।
ङ. आर्य! **अन्यमपि वरं** हर्तुमिच्छामि।

3. क. कहाँ ख. आत्मनेपदी ग. नपुं० तृतीया विभक्ति:

4. क. प्रविशति। ख. निवेद्यते। ग. तिष्ठति।
घ. अभिवादये। ङ. स्थास्यामि, स्थास्यामि।

5. क. ममार्यो = **मम** + **आर्य:**
ख. किमिति = **किम्** + **इति**
ग. कलेदयतीव = **क्लेदयति** + **इव**
घ. मैवम् = **मा** + **एवम्**

6. **विग्रह: समस्तपदम्**
क. भ्रातृभक्ति: ख. अबान्धव: ग. अनुरामम्
घ. प्रिय साहस: ङ. रामलक्ष्मणौ च. शरणागत:

7. क. रथेन भरत: आश्रमे प्रविशति। ख. सीतालक्ष्मणाभ्यां सह राम: प्रविशति।
ग. भरत: राममुपगम्य अभिवादयते। घ. अहं भवत: सेवक: भरतोऽस्मि।
ङ. अहं भवत: नाम्न: राज्यस्य रक्षां करिष्यामि।

8. क. क्व = **क्व** गत: भवान् मम रक्षक:।

ख. कृतघ्नः = अयं जनस्तु **कृतघ्नः** अस्ति।
ग. प्रह्लादय = आगच्छ, **प्रह्लादय** माम्।
घ. प्रयच्छ = मह्यं कानिचिद् फलानि **प्रयच्छ**।
ङ. देहेन = **देहेन** अहं तत्र स्थास्यामि।
च. भवान् = **भवान्** एव मम सहायकः।

क्रियात्मकं कार्यम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

7 शरदोत्सवः

अभ्यासकार्यम्

1. क. अस्माकं देशे सूर्यम् चन्द्रं वृक्षादीन् च देवरूपेण स्वीकृत्य पूजनस्य परम्परा अस्ति।
ख. अस्यां रात्रौ जनाः पायसं पचन्ति।
ग. शरद्-उत्सवस्य विषये इयं लोकमान्यता वर्तते यत् अस्यां रात्रौ चन्द्रेण स्वकिरणैः अमृतं किमपि विशिष्टं वा प्रसार्यते।
घ. सर्वैः सह प्रेम्णा व्यवहर्तव्यः इति अयम् उत्सवः सन्देशं प्रददाति।

2. क. अस्माकं देशः **प्रकृतिपूजकः** अस्ति।
ख. कवयः **चन्द्रस्य** वर्णनम् अवश्यमेव कुर्वन्ति।
ग. अस्यां रात्रौ चन्द्रः **स्वपूर्णकलाभिः** सह उदयति।
घ. सोत्साहं प्रेम्णा च इमम् उत्सवं **प्रतिवर्षं जनाः** आचरन्ति।
ङ. सर्वैः सह **प्रेम्णा** व्यवहर्तव्यः।

3. क. भारतदेशः ख. चन्द्रस्य ग. प्रेम्णः

4. क. पूजकः = अस्माकं भारदेशः प्रकृतिपूजकः अस्ति।
ख. वर्णनम् = कवयः चन्द्रस्य **वर्णनम्** अवश्यं कुर्वन्ति।
ग. उत्सवः = अयम् **उत्सवः** प्रेम्णः सन्देशं प्रददति।
घ. मिलित्वा = इमम् उत्सवं सर्वे जनाः **मिलित्वा** सोत्साहम् आयोजयन्ति।
ङ. आधारः = शरद् उत्सवः प्रेम्णः **आधारः** अस्ति।

5. स्वीकृत्य = **ल्यप्** अवलोकयितुम् = **तुमुन**
पक्त्वा = **क्त्वा** मिलित्वा = **क्त्वा**

6. अस्माकम् = **हमारा** प्रेम्णः = **प्रेम का**
अवलोकयितुम् = **देखने के लिए** किरणैः = **किरणों से**

7. क. देशः = **पुंल्लिङ्गम् एकवचनम् प्रथमा**
ख. अस्माकम् = **उभयलिङ्गम् बहुवचनम् षष्ठी**
ग. कलाभिः = **स्त्रीलिङ्गम् बहुवचनम् तृतीया**
घ. साहित्ये = **पुंल्लिङ्गम् एकवचनम् सप्तमी**
ङ. चन्द्रम् = **पुल्लिङ्गम् एकवचनम् द्वितीया**

क्रियात्मकं कार्यम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

8 सत्यमेव जयते

अभ्यासकार्यम्

1. क. धेनुः एकस्मिन् ग्रामे वसति स्म।
ख. धेनुः सायं गृहम् आगच्छति स्म।
ग. 'त्वं गृहं गच्छ' इति व्याघ्रः अवदत्।
घ. धेनुः सानन्दं गृहम् आगच्छत्।
ङ. धेनोः विजयः सत्यतया अभवत्।

2. क. सीतया ख. परिश्रमं ग. कर्णाभ्यां
घ. तडागे। ङ. निर्धनेभ्यः च. श्रीकृष्णाय।

3.

	वाक्यम्	कर्ता	कर्म	क्रिया
क.	अहं मांसं खादिष्यामि।	**अहं**	**मांसं**	**खादिष्यामि**
ख.	भवान् मां खादतु।	**भवान्**	**मां**	**खादतु**
ग.	कः दुग्धं पास्यति?	**कः**	**दुग्धं**	**पास्यति**
घ.	व्याघ्रः ताम् अत्यजत्।	**व्याघ्रः**	**ताम्**	**अत्यजत्।**
ङ.	भवान् मां त्यजतु।	**भवान्**	**मां**	**त्यजुतः**
च.	वत्सः वनं गच्छति स्म।	**वत्सः**	**वनं**	**गच्छति स्म**

4. क. भवान् **विमानेन** लक्ष्मणपुरं गच्छतु।
ख. पितामहः **बालकेभ्यः** मोदकानि आनयत्।
ग. भवान् अत्र **शोभनां** वाटिकां पश्यतु।
घ. गङ्गा **हिमालयात्** निःसरति।
ङ. एतत् **गणेशस्य** मन्दिरम् अस्ति।
च. सूर्यः **पश्चिमदिशायाम्** अस्तं गच्छति।

5. क. कंस स्वभाव से दुष्ट था।
ख. माली पूजा के लिए माला गूँथता है।
ग. शंकर जी के तीन नेत्र हैं।
घ. समुद्र में भी बादल बरसता है।
ङ. वृक्ष की डाली से अनेक फूल गिरते हैं।

6. क. एकः वने **एकः** व्याघ्रः आसीत्।
ख. दुग्धम् धेनोः **दुग्धं** मधुरं पौष्टिकं भवति।
ग. सत्यम् **सत्यम्** एव जयति।
घ. विजयः सत्यतया धेनोः **विजयः** अभवत्।
ङ. सानन्दम् धेनुः **सानन्दं** स्वगृहम् आगच्छत्।

7. **संस्कृते अनुवादं कुरुत।**

उत्तरम्– क. प्राचीन ग्रन्थेषु गङ्गायाः गौरवः वर्णितः अस्ति।
ख. अत्र एका निर्धना बालिका वसति स्म
ग. वृक्षस्य छाया जनेभ्यः आनन्दं ददाति।
घ. तत्र त्वं किमर्थं स्थास्यसि?
ङ. त्वं कपिलेन सह गृहं गच्छ।

क्रियात्मकं कार्यम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

9 ज्ञानगङ्गा

अभ्यासकार्यम्

1. क. अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः च आयुः, विद्या, यशः बलं च वर्धन्ते।
ख. कार्याणि उद्यमेन सिद्धयन्ति।
ग. परोपकारस्य विषये श्लोके लिखितं यत् वृक्षाः परोपकाराय फलन्ति, नद्यः परोपकाराय वहन्ति गावः परोपकाराय दुग्धं यच्छन्ति, इदं शरीरमपि परोपकाराय एव अस्ति।
घ. प्रियं सत्यं च ब्रूयात्।
ङ. विपत्तौ धैर्यम् उन्नतौ क्षमा, सदसि वाक्पटुता, युद्धे विक्रमः, यशसि विनयः, शास्त्रेषु रुचिः इति महात्मानां प्रकृति अस्ति।

2. क. उद्यमेन **हि सिद्धयन्ति कार्याणि न मनोरथैः**।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः।।
ख. परोपकाराय **फलन्ति वृक्षाः परोपकाराय वहन्ति नद्यः**।
परोपकाराय दुहन्ति गावः परोपकारार्थमिदं शरीरम्।।

3. क. उद्यमेन ख. परोपकाराय ग. उभयम्

4. क. अभिवादनशीलस्य वृद्धसेविनश्च आयुः, विद्याः यशः, बलं च वर्धन्ते।
ख. सुप्तस्य सिंहस्य मुखे मृगः न प्रविशति।
ग. नद्यः परोपकाराय वहन्ति।
घ. वृक्षाः परोपकाराय फलन्ति।
ङ. अप्रियं सत्यं न ब्रूयात्।

5. क. प्रतिदिन बड़ों की सेवा करने वाले और अभिवादन करने वाले।
ख. आयु, विद्या (ज्ञान), यश और बल ये चार चीजें बढ़ती है।
ग. पेड़ परोपकार के लिए फलते हैं, नदियाँ परोपकार के लिए बहती हैं।
घ. सत्य बोलना चाहिए, प्रिय (प्यारा) बोलना चाहिए, कड़आ सत्य नहीं बोलना चाहिए।
ङ. न ही प्रिय झूठ बोलना चाहिए, यही सनातन धर्म है।

6. **भावार्थ–**

क. कार्याणि परिश्रमेणैव सिध्यन्ति मनोरथैः न। यतोहि सिंहः अपि स्वजीवनाय भोजनाय च परिश्रमः करोति।

ख. सर्वदा प्रियं सत्यं ब्रूयात् अप्रियं सत्यं न, तथैव कटुप्रियम् अपि नं ब्रूयात्।

ग. वृक्षाः नद्यः गावः सर्वेऽपि परोपकाराय एव सन्ति। तथैव अस्माकं शरीरमपि परोपकाराय अस्ति, अनेन सदा परोपकारः कर्तव्यः।

क्रियात्मकं कार्यम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

10 सङ्कल्पः

अभ्यासकार्यम्

1. क. पाठानुसारं एतत् सत्यं यत् अलसस्य विद्या नास्ति।
   ख. अद्य प्रभृतिः अहम् अलसः न भविष्यामि। समये पठिष्यामि समये च खेलिष्यामि।' इति सङ्कल्पं विमलः न्यति।
   ग. अधुना विमलः सर्वं कार्यं स्व सङ्कल्पानुसारं नियमपूर्वकं करोति।
   घ. सः प्रतिदिनं नियमेन व्यायामं योग-अभ्यासं वा करोति। यथा समय विद्यालयं गच्छति स्वाध्यायं च करोति।
   ङ. विमलस्य दिनचर्यां दृष्ट्वा पितामहः सन्तुष्टः भवति।
2. क. किं त्वं क्रीडित्वा **पठिष्यसि**?
   ख. सः पठनाय विदेशं **गमिष्यति**?
   ग. छात्राः लेखं **लेखिष्यन्ति**।
   घ. किं प्रज्ञा खेलित्वा दुग्धं **पास्यति**?
   ङ. जनकः **श्वः** आगमिष्यति।
3. क. यः अलसः भवति ख. उभावपि ग. पितामहः
4. क. सुखम्। ख. विद्या।
   ग. विमलम्। घ. क्रीडित्वा।
5. पठ् **पठित्वा**
   कृ **कृत्वा**
   क्रीड् **क्रीडित्वा**
   गम् **गत्वा**
   खाद् **खादित्वा**
6. क. **तौ** **खेलिष्यतः** ते **खेलिष्यन्ति**
   ख. **युवां** **खादिष्यथः** **यूयं** **खादिष्यथ**
   ग. **आवां** **गामिष्यावः** **वयं** **गमिष्यामः**

क्रियात्मकं कार्यम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

11 हिमालयः

अभ्यासकार्यम्

1. क. भारदेशस्य उत्तरस्यां दिशि पर्वतराजः हिमालयः विराजते।
   ख. हिमालयः पर्वतः 'पर्वराजः' इति कथ्यते।
   ग. गङ्गा हिमालयात् प्रभवति।
   घ. हिमालयः तपोभूमिः अतः अस्ति, यतोहि पुरा अत्र अनेके जनाः तपः कृतवन्तः।
   ङ. हिमालयक्षेत्रे अनेके जीवजन्तवः भ्रमन्ति।
   च. अस्य हिमालयस्य महत्त्वम् आध्यात्मिकदृष्ट्या, पर्यावरणदृष्ट्या भारतस्य रक्षादृष्ट्या च अपि वर्तते।
2. क. अस्य पर्वतस्य शृंखला **विस्तृता** वर्तते।
   ख. अयं संसारस्य **उच्चतमः** पर्वतः अस्ति।
   ग. हिमालयक्षेत्रे बहूनि **मन्दिराणि** सन्ति।
   घ. पर्वतराजः हिमालयः अस्माकं **गौरवः** अस्ति।
3. क. उत्तरस्याम् ख. हिमालयात् ग. हिमालयः
4. क. हिमालय पर्वतस्य शृङ्खलाः अतिदूरं पर्यन्तं प्रसरिताः सन्ति।
   ख. हिमालयात् एव गङ्गा नदी अपि निस्सरति।
   ग. हिमालयः तपोभूमिः अस्ति।
   घ. जनाः तत्र स्वास्थ्यलाभाय गच्छन्ति।
   ङ. हिमालयः भारतस्य मुकुटम् अस्ति।
5. क. तपोभूमिः = **तपस्या की भूमि**
   हिमालयः **तपोभूमिः** अस्ति।
   ख. वनस्पतयः = वनस्पतियाँ
   हिमालये विविधाः **वनस्पतयः** उद्भवन्ति।
   ग. उच्चतमः = **सबसे ऊँचा**
   हिमालयः **उच्चतमः** पर्वतः अस्ति।
   घ. उपकारकाः = उपकार करने वाले/वाली
   हिमलाये अनेकाः औषधयुक्ताः उपकारकाः वनस्पतयः सन्ति।
   ङ. एव = **ही**
   अत्र **एवं** अनेके जनाः तपः कृतवन्तः।
   च. काष्ठम् = **लकड़ी**
   अस्मिन् क्षेत्रे विविधं **काष्ठं** लभते।
   छ. रत्नानि = **अनेक रत्न**
   हिमालय क्षेत्रे अनेकानि दुर्लभानि **रत्नानि** लभन्ते।
   ज. नदीषु = **नदियों में**
   भारते प्रवाहितासु अनेकासु **नदीषु** गङ्गा सर्वोत्तमा नदी अस्ति।
6. क. हिमालयः **(iv) नगाधिराजः**
   ख. संसारः **(v) विश्वः**
   ग. नदी **(vi) सरित्**
   घ. पुरा **(iii) प्राचीन काले**
   ङ. जनाः **(i) मनुष्याः**
   च. अर्चना **(ii) पूजा**

क्रियात्मकं कार्यम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

12 भगवान् श्रीरामः

अभ्यासकार्यम्

1. क. पुरा अयोध्यानगर्यां राजा दशरथः राज्यमकरोत्।
   ख. दशरथस्य चत्वारः पुत्राः आसन्।
   ग. श्रीरामस्य पत्नी सीता आसीत्।
   घ. श्रीरामः वने पितुः आज्ञां पालयितुम् अगच्छत्।
   ङ. श्रीरामेण रावणः हतः यतोहि सः तस्य पत्नी सीताम् अपाहरत्।
2. क. पुराकाले सूर्यवंशे **महाराजः दशरथः** राजाऽभवत्।
   ख. सः अयोध्या **नगर्यां राज्यं** करोति स्म।
   ग. दशरथः अतीव उदारः **प्रजावत्सलः** आसीत्।
   घ. ते **स्नेहेन** क्रीडन्ति वार्तालापं च **कुर्वन्ति** स्म।
   ङ. श्रीरामः **लोकप्रियः** राजा आसीत्।
3. क. दशरथः ख. चत्वारः ग. श्रीरामः
4. क. श्रीराम का विवाह सीता के साथ हुआ।
   ख. सीता जनक की पुत्री थी।
   ग. श्रीराम पिता की आज्ञा से वन को गए।
   घ. रावण की मृत्यु के पश्चात् सीता उसके कारागार से मुक्त हुई।
   ङ. श्रीराम अयोध्या के राजा बने।
5. क. आत्मजाऽसीत् = **आत्मजा** + **आसीत्**
   ख. सहऽभवत् = **सह** + **अभवत्**
   ग. पितुराज्ञया = **पितुः** + **आज्ञया**
   घ. रावणोऽपि = **रावणः** + **अपि**
6. क. प्रजावत्सलः = **प्रजायाः वत्सलः षष्ठी तत्पुरुषः समासः**
   ख. लक्ष्मणभरतशत्रुघ्नः = **लक्ष्मणः च भरतः च शत्रुघ्न द्वन्द्व समासः**
   ग. लंकाधिपतिः = **लङ्कायाः अधिपतिः षष्ठी तत्पुरुष समासः**
   घ. राक्षसराजः = **राक्षसाणां राजा षष्ठी तत्पुरुष समाजसः**
   ङ. श्रीरामरावणौ = **श्रीरामः च रावणः च द्वन्द्व समासः**

च. लोकप्रिय: = **लोके प्रिय: सप्तमी तत्पुरुष समास:**

6. **सम्यक् कथनस्य समक्षं (✓) इत्यस्य चिह्नं नियोजयत।**

उत्तरम्– क. (✓) ख. (✓) ग. (✗) घ. (✗) ङ. (✓)

क्रियात्मकं कार्यम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

13 चतुरः श्रृगालः

अभ्यासकार्यम्

1. क. श्रृगाल: प्रतिदिनं वने इतस्तत: भोजनम् अन्वेषयन् भ्रमति स्म मित्रै: सह च आलपति स्म।
   ख. सिंह: गुहायां प्रविशति श्रृगालं च खादितुं विचारयति।
   ग. शिलारूपणे सिंह: वदति यत् आगच्छ वत्स! स्वागतं, कथं चिरेण आगच्छसि इति।
   घ. चतुर: श्रृगाल: आसीत् यतोहि स: चातुर्येण एव प्राणान् रक्षति।
   ङ. यस्य बुद्धि: तस्य बलं भवति। इति कथाया: सन्देशं अस्ति।
2. क. सिंह: गुहायां **श्रृगालस्य** प्रतीक्षां करोति।
   ख. श्रृगाल: **उपाय:** चिन्तयति।
   ग. सिंह: शिलारूपेण **सम्भाषणं** करोति।
   घ. श्रृगाल: **सायंकाले** आगच्छति।
   ङ. यदि अहम् **अनत:** प्रविशामि, मम **मृत्यु:** निश्चित:।
3. क. गुहायाम् ख. सिंह: ग. लृट् लकार:
4. क. श्रृगाल: **वने** इतस्तत: भ्रमति।
   ख. सिंह: **श्रृगालस्य** प्रतीक्षां करोति।
   ग. श्रृगाल: तूष्णीं **अतिष्ठत्।**
   घ. अहं तु अद्य **क्षुधित:** मरिष्यामि।
   ङ. सिंह: **शिलारूपेण** रूपं सम्भाषणं करोति।
5. क. शिला। ख. शिलायाम्। ग. गुहायाम्।
   घ. सायंकाले। ङ. सिंह:
6. क. स: **मित्रै:** सह आलपति।
   ख. सिंह: **गुहायां** प्रविशति।
   ग. स: **श्रृगालस्य** प्रतीक्षां करोति।
   घ. भो शिले! त्वं मम **स्वागतं** करोषि।
   ङ. श्रृगाल: **गुहाया:** अभ्यान्तरे न गच्छति।

क्रियात्मकं कार्यम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

14 दुर्जनः परिहर्तव्यः

अभ्यासकार्यम्

1. क. खल: सर्षप इव परच्छिद्राणि पश्यति।
   ख. विद्ययाऽङ्कृत: दुर्जन: परिहर्तव्य:।
   ग. गज: स्पृशन् हन्ति।
   घ. पदे पदे दुर्जन: दशति।
   ङ. दुर्जनानां सङ्ग: सदा हानिकारक: भवति यतोहि दुर्वृत्तं स: करोति, फलं सङ्गस्थ: भुङ्क्ते।
2. क. दुर्जन: परिहर्तव्य: **विद्ययाऽलङ्कृतोऽपि** सन्।
   मणिना भूषित: सर्प: **किमसौ न** भयङ्कर:।।
   ख. खल: **करोति दुर्वृत्तं नूनं फलति साधुषु।**
   दशाननोऽहरत् **सीतां बन्धनं स्यान्महोदधे:**।।
3. क. दुर्जन: ख. परच्छिद्राणि ग. सप्तमी
4. किमसौ = **किम् + असौ**
   पश्यन्नपि = **पश्यन् + अपि**
   महोदधे: = **महा + उदधे:**
   अलङ्कृतोऽपि = **अलङ्कृत: + अपि**
5. क. दुर्जन: सदा परच्छिद्राणि पश्यति।
   ख. विद्यया अलङ्कृतोऽपि दुर्जना: परिहर्तव्या:।
   ग. सर्प दुर्जनयो: सर्प: श्रेष्ठ: अस्ति।
   घ. सर्पस्तु समयेदशति परं दुर्जन: पदे–पदे दशति।
   ङ. रावण: सीताया: हरणम् अकरोत् बन्धितश्च समुद्र:।
6.

	शब्द:		विभक्ति:	वचनम्
क.	सर्प:	=	**प्रथमा**	**एकवचनम्**
ख.	खलात्	=	**पञ्चमी**	**एकवचनम्**
ग.	गजौ	=	**प्रथमा/द्वितीया**	**द्विवचनम्**
घ.	नृपाय	=	**चतुर्थी**	**एकववचनम्**
ङ.	साधुषु	=	**सप्तमी**	**बहुवचनम्**

क्रियात्मकं कार्यम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

15 होलिकोत्सवः

अभ्यासकार्यम्

1. क. 'होली' इति उत्सव: प्रमुख:।
   ख. अस्मिन् उत्सवे सर्वे जना: परस्परं मिलित्वा तृणानि काष्ठानि च एकत्रीकृत्य रात्रौ होलिकादाहं कुर्वन्ति।
   ग. प्रहलाद: हिरण्यकश्यपस्य पुत्र: आसीत्।
   घ. अग्नौ होलिका भस्मीभूता अभवत् यतोहि सा विष्णु भक्त प्रहलादं भस्मी कर्तुम् इच्छति स्म। भगवद् भक्तं न कोऽपि मारयितुं शक्नोति।
   ङ. होलिकाया: द्वितीयदिवसे जना: महता आमोदेन प्रमोदेन च रङ्गै क्रीडित्वा होलिकोत्सवं सम्पादयन्ति।
   च. होलिकाया: उत्सव: अत: धन्य: यतोहि वैरभावं विहाय सर्वे एव कण्ठग्राहं परस्पर मिलन्ति।
2.

विविध	+	उत्सव:	=	**विविधोत्सव:**
हर्ष	+	उल्लासेन	=	**हर्षोल्लासेन**
महा	+	उत्सवेषु	=	**महोत्सवेषु**
धन्यो	+	अयम्	=	**धन्योऽयम**
होलिका	+	उत्सव:	=	**होलिकोत्सव:**
युवत्य:	+	च	=	**युवत्यश्च**

3. क. होलिकोत्सवे ख. विष्णुभक्त: ग. वैरभावम्
4. क. पुरा – **पुरा** हिरण्यकश्यपस्य पुत्र: प्रहलाद: विष्णुभक्त आसीत्।
   ख. यत् – हिरण्यकश्यप: होलिकाम अथयत् **यत्** त्वं प्रहलादं नीत्वा अग्नौ उपविश।
   ग. च – प्रहलाद: सुरक्षित: अतिष्ठत् होलिका **च** भस्मीभूता।
   घ. सर्वत्र – **सर्वत्र** जना: नवीनानि वस्त्राणि धारयन्ति।
   ङ. यत्र – धन्योऽयम् उत्सव: **यत्र** सर्वे वैरभावं विहाय परस्परं कण्ठग्राहं मिलन्ति।
5. क. भारतदेश में विविधउत्सव आयोजित किए जाते हैं।
   ख. सभी इकटठे होकर रात को होलिका दहन करते हैं।
   ग. होलिका प्रहलाद को अग्नि में लेकर बैठ गई।
   घ. सभी लोग हर्षोल्लास के साथ रंग द्वारा खेलते हैं।
   ङ. इस उत्सव पर सभी वैरभाव को छोड़कर आपस में मिलते हैं।
6.

पुत्र:	**वत्स:**	**तनय:**
वस्त्रम्	**वसनम्**	**चीरम्**
गृहम्	**सदनम्**	**भवनम्**
अग्नि:	**वह्नि:**	**कृशानु:**
बाल:	**शिशु:**	**बालक:**

7. क. अस्माकं भारतवर्षे विविधोत्सवा: प्रचलिता: सन्ति।
   ख. अस्मिन् उत्सवे सर्वे जना: परस्परं मिलन्ति।
   ग. हिरण्यकश्यस्य पुत्र: प्रहलाद: आसीत्।

घ. जना: नूतनानि वस्त्राणि धारयन्ति।
ङ. सर्वे वैरभावं विहाय प्रेम्णा परस्परं मिलन्ति:।

क्रियात्मकं कार्यम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

16 नदी

अभ्यासकार्यम्

1. क. नदी सर्वेभ्य: जीवेभ्य: जलं दत्वा जीवनं प्रददाति।
ख. जलस्य अन्यानि नामानि सन्ति— वारि, उदकम्, अम्बु:, पानीयम्, पयस्, सलिलम्, तोयम्, नीरम्, आप: जीवनं च।
ग. भारतस्य उत्तरभागे शतद्रु:, विपाशा, चन्द्रभागा, इरावती, गङ्गा, यमुना, ब्रह्मपुत्र इति नामिका: प्रमुखा: नद्य: प्रवहन्ति।
घ. भारतस्य दक्षिणभागे कृष्ण कोवेरी नद्यौ प्रवहत:।
ङ. भारतभूमे: तटप्रदेशेषु त्रय: सागरा: सन्ति।

2. क. पृथिव्यां नदी एकं **रत्नमित्व** अस्ति।
ख. नदी सर्वेभ्य: **जीवेभ्य:** जलं दत्वा **जीवनं** प्रददाति।
ग. जलं विना जीवनम् **नास्ति**।
घ. भारत देशे अनेका: **नद्य:** प्रवहन्ति।
ङ. ता: नद्य: पर्वतेभ्य: **निर्झरन्ति**।
च. भारतीया: जना: नदीषु **स्नानं** कुर्वन्ति।

3. क. उभावपि ख. असम्भवम् ग. न

4.

	शब्द:		विभक्ति:	वचनम्
क.	सरोवरेषु	=	**सप्तमी**	**बहुवचनम्**
ख.	क्षेत्राणि	=	**प्रथमा द्वितीया**	**बहुवचनम्**
ग.	भारतस्य	=	**षष्ठी**	**एकवचनम्**
घ.	नद्य:	=	**प्रथमा**	**बहुवचनम्**
ङ.	तटेषु	=	**सप्तमी**	**बहुवचनम्**

5. अत्यावश्यकम् = **अति** + **आवश्यकम्**
स्वजलेन = **स्व** + **जलेन**
उत्तरभागे = **उत्तर** + **भागे**
शस्यश्यामलान् = **शस्य** + **श्यामलान्**

6. क. (✓) ख. (✓) ग. (✓)
घ. (✗) ङ. (✓)

7. नदी = **सरिता निर्झरिणी**
जलम् = **वारि उदकम्**
तडाग: = **सरोवर: जलाशय:**
पर्वत: = **गिरि: शैल:**
जन: = **नर: मनुष्य:**

क्रियात्मकं कार्यम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

17 राजा शिवि:

अभ्यासकार्यम्

1. क. राज्ञ: नाम शिवि आसीत्।
ख. शिवि: धार्मिक: करुणापर: च राजा आसीत्।
ग. एकदा तस्य परीक्षणाय इन्द्र: आगत:।
घ. इन्द्र: श्येनस्य रूपे आगत:।
ङ. कपोतस्य भार: शिवे: समतुल्य:आसीत्
च. राजा शिवि: स्वमांसं तुलायां स्थापयत्।

2. क. इन्द्र: तस्य धर्मस्य **प्रसिद्धिं परीक्षणाय** ऐच्छत्।
ख. अहं क्षुधित: **अस्मि**।
ग. नोचेदहं नूनं क्षुधया मृतो **भविष्यामि**।
घ. कपोतोऽयं **मम** शरणागत:।

3. क. श्येनरूपे राजा इन्द्र: आसीत्।
ख. स: कपोत: आसीत्।
ग. अहम् इन्द्र: आसम्।
घ. तदा पुष्पवृष्टि: अभवत्।

4. क. शुद्धम्। ख. शुद्धम्। ग. अशुद्धम्।
घ. अशुद्धम्। ङ. शुद्धम्।

5. क. शिवि: पक्षिण: वधं न अकरोत्।
ख. राजा आत्मानं दण्डम् अयच्छत।
ग. राजा स्वशरीरं खड्येन अकृन्तत्।
घ. श्येनरूपे इन्द्र: आसीत्।
ङ. आकाशात् पुष्पवृष्टि: अभवत्।

6. क. तवाङ्के = **तव + अङ्के**
ख. शरणागत: = **शरण + आगत:**
ग. नासीत् = **न + आसीत**
घ. खड्गमादाय = **खड्गम् + आदाय**
ङ. पुष्पवृष्टि: = **पुष्प + वृष्टि:**

क्रियात्मकं कार्यम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

18 कल्पना चावला

अभ्यासकार्यम्

1. क. 2003 तमे वर्षे फरवरी मासस्य प्रथमे दिने कोलम्बिया नाम अन्तरिक्षयानं दुर्घटनाग्रस्तम् अभवत्।
ख. भारतस्य प्रथमा वैज्ञानिक अभियन्त्री कल्पना चावला आसीत्।
ग. कल्पना चावलाया: अभिलाषा अन्तरिक्षयात्रिणी भवितुम् आसीत्।
घ. सा कोलम्बिका अन्तरिक्षयानेन यात्रां करोति स्म।
ङ. कल्पना अमेरिकादेशस्य कोलोरेडो विश्वविद्यालये शोध-कार्यम् अकरोत्।

2. क. **दूरदर्शनं** तस्या: यात्राया: अन्तिमचरणस्य **विवरणं** प्रसारयति।
ख. कल्पना चावला **स्वसहयात्रीभि:** सह अन्तरिक्षे अग्ने: **ज्वालासु** विलुप्ता जायते।
ग. कल्पना चावलाया: जन्म **करनाल** नगरे **1961** तमे वर्षे अभवत्।
घ. बाल्यकालात् एव **ग्रहा: नक्षत्राणि च** ताम् आकर्षयन्ति स्म।
ङ. सा **साफल्यस्य पथप्रदर्शिका** भास्कर नक्षत्रं वर्तते।

3. क. कल्पना चावला ख. कोलोरेडो विश्वविद्यालये
ग. उभावपि

4.

	शब्द:	विभक्ति:	वचनम्
क.	मासस्य	**षष्ठी**	**एकवचनम्**
ख.	छात्रा:	**प्रथमा**	**बहुवचनम्**
ग.	दूरदर्शनम्	**प्रथमा**	**एकवचनम्**
घ.	अन्तरिक्षे	**सप्तमी**	**एकवचनम्**
ङ.	बाल्यकालात्	**पञ्चमी**	**एकवचनम्**
च.	प्रथमे	**सप्तमी**	**एकवचनम्**

5. क. प्रत्यागमिष्यति = **प्रति** + **आगमिष्यति**
ख. शोकाकुलम् = **शोक** + **आकुलम्**
ग. विद्यालये = **विद्या** + **आलये**
घ. परमाभिलाषा = **परम** + **अभिलाषा**
ङ. अध्यवसायेन = **अधि** + **अवसायेन**
च. सादरम् = **स** + **आदरम्**

6. क. खलु = कल्पना चावला **खलु** अस्माकं कृते प्रेरणादायिका अस्ति।
ख. सर्वदा = कल्पना चावलां **सर्वदा** ग्रहनक्षत्राणि आकर्षयन्ति स्म।
ग. अद्य = **अद्य** उत्सवस्य वातावरणम् अस्ति।
घ. अधुना = **अधुना** वृष्टि: भवति।
ङ. अचिरम् = कल्पना चावलाया: यश: सर्वत्र **अचिरं** अप्रसार्यत्।
च. सुयोग्या = कल्पना चावला **सुयोग्या:** महिला आसीत्।

7. क. दिवस: **(iii) वासर:**
ख छात्र: **(iv) विद्यार्थी**

ग. पुत्री (v) **सुता**
घ वाञ्छति (i) **इच्छति**
ङ अभिलाषा (ii) **इच्छा**

8. **संस्कृते अनुवादं कुरुत।**
उत्तरम्– क. सर्वे छात्राः तं दृश्यं द्रष्टुम् उत्सुकाः आसन्।
ख. कल्पना चावला अग्नेः ज्वालासु विलुप्ता अभवत्।
ग. बाल्यकालात् एव तां ग्रहनक्षत्राणि आकर्षयन्ति स्म।
घ. सा स्वयोग्यताबले स्वप्नं साकारं कृतवती।
ङ. सा अस्माकं कृते मार्गदर्शिका इव अस्ति।

क्रियात्मकं कार्यम्
विद्यार्थी स्वयं करें।

19 शठे शाठ्यं समाचरेत्

अभ्यासकार्यम्

1. क. धूर्तः शृगालः अन्यैः जीवैः सह दुष्टतया आचरति स्म।
ख. दीर्घां जङ्घाम, दीर्घां ग्रीवाम्, दीर्घं मुखम्, ह्रस्वं पुच्छम्, कर्णौ नेत्रे च ह्रस्वे इति उष्ट्रस्य विचित्रतां शृगालः अपश्यत्।
ग. उष्ट्रशृगालौ नदीपारं रक्ताङ्गम् कर्कटयः त्रपुषाणि आदीन् भक्षयितुम् अगच्छताम्।
घ. उष्ट्रं शृगालस्य धूर्ततया क्रोधम् उत्पन्नम् अभवत्।
ङ. उष्ट्रः शृगालेन सह शठे शाठयवत् व्यवहारं करोति।

2. क. सः वने एकम् **उष्ट्रम् अपश्यत्।**
ख. मम उदरं सर्वदा **रिक्तं तिष्ठसि।**
ग. उष्ट्रः सहर्षं शृगालेन सह **गन्तुम्** उद्यतः अभवत्।
घ. अधुनाऽहं जले **स्नास्यामि।**
ङ. धूर्तः शृगालः **जलमध्ये** प्रवाहितः मृत्युं च अलभत।

3. क. एकस्मै ख. शृगालः ग. ईश्वरम्

4. क. सः ख. अयं
ग. अहम्, अस्य घ. तव, मम
ङ. एतत्, सः, तेन।

5. क. वनम् = **अरण्यम्, विपिनम्, काननम्**
ख. शृगालः = **जम्बुकः, गोमायः**
ग. नेत्रम् = **नयनम्, चक्षुः, अक्षि**
घ. नदी = **सरिता, तरङ्गिणी, तटिणी**
ङ. शठः = **दुष्टः खलः धूर्तः**

6. क. अधुना त्वम् ईश्वरं स्मर।
ख. शृगालः स्व धूर्ततायाः फलम् अलभत्।
ग. अधुना त्वम् ईश्वरं स्मर।
घ. उष्ट्रः शृगालस्य प्रार्थनां न अशृणोत्।
ङ. धूर्तजनाय सुखस्य प्राप्तिः न भवति।

7.

विज्ञाय	=	**ल्यप्**	विचार्य	=	**ल्यप्**
पठन्	=	**शत्**	गन्तुम्	=	**तुमुन्**
मत्वा	=	**क्त्वा**	सेवमानः	=	**शानच्**
उक्तवान्	=	**क्तवतु**	पठितः	=	**क्त**
कथितम्	=	**क्त**			

8. क. आत्मानम् = शृगालः **आत्मानम्** अति चतुरः मन्यते स्म।
ख. क्षेत्रेभ्यः = कृषकः **क्षेत्रेभ्यः** पशून् वारयति।
ग. स्वभावः = उष्ट्रस्य **स्वभावः** सरलः आसीत्।
घ. दूरम् = सः त्रपुषादिकं भक्षयन् **दूरम्** अगच्छत्।
ङ. अधुना = **अधुना** अहं जले स्नास्यामि।
च. भयातुरः = **भयातुरः** शृगालः उष्ट्रं प्रार्थयत्।
छ. मा = विवादं **मा** कुरु।

क्रियात्मकं कार्यम्
विद्यार्थी स्वयं करें।

20 गृध्रमार्जारयोः कथा

अभ्यासकार्यम्

1. क. गृध्रः विशाले वटवृक्षे वसति स्म।
ख. गृध्रः मार्जारं अवदत "मार्जाराः तु मांसप्रियाः भवन्ति। अत्र पक्षिशावकाः निवसन्ति। अतः अस्मात् त्वं दूरं गच्छ, अन्यथा त्वां मारयिष्यामि।"
ग. सः मार्जारः प्रतिदिनं खगशिशून् कोटरे नीत्वा खादति स्म।
घ. खगाः जरद्गवं हतवन्तः।
ङ. अज्ञात कुलशीलस्य वासो न देयः।

2. क. ते तस्मै किञ्चित् आहारं यच्छन्ति स्म।
ख. खगशिशवः कोलाहलं कृतवन्त।
ग. यूयं दूरं गच्छत।
घ. ते अवदन् "वयं मार्जाराः।"
ङ. वयं चन्द्रं दृष्टवन्तः।

3.

क.	खगात्	खगाभ्याम्	खगेभ्यः
ख.	शिशुम्	शिशू	शिशून्
ग.	भये	भययोः	भयेषु
घ.	गुरवे	गुरुभ्याम्	गुरुभ्यः
ङ.	कोटरे	कोटरयोः	कोटरेषु

4. क. वने एकः वटवृक्षः आसीत्।
ख. गृध्रस्य नाम जरद्गवः आसीत्।
ग. अहिंसा परमो धर्मः।
घ. दीर्घकर्णः एकः मार्जारः आसीत्।
ङ. अज्ञाताय आश्रयो न देयः।

5. क. आगतवान् = वटवृक्षस्य समीपे एकः मार्जारः **आगतवान्।**
ख. खगशिशु = **खगशिशुः** कोलाहलं कृतवान्।
ग. अवदत् = गृध्रःसकोयं मार्जारम् **अवदत्।**
घ. प्रतिदिनम् = मार्जारः **प्रतिदिनं** खगशिशून् खादति स्म।
ङ. खादितवान् = शनैः शनैः मार्जारः अनेकान् खगशिशून् **खादितवान्।**

6.

क.	सोऽवदत्	=	**सः**	+	**अवदत्**
ख.	तत्रागतवान्	=	**तत्र**	+	**आगतवान्**
ग.	गृध्रोऽवदत्	=	**गृध्रः**	+	**अवदत्**
घ.	स्वाहारात्	=	**स्व**	+	**आहारात्**

क्रियात्मकं कार्यम्
विद्यार्थी स्वयं करें।

21 चतुरः वानरः

अभ्यासकार्यम्

1. क. वानरः जम्बूवृक्षस्य शाखायां वसति स्म।
ख. मकरः जम्बूफलानि स्वभार्यायै दत्तवान्।
ग. मकरस्य पत्नी मकरम् उक्तवती—"अहो! अति मधुराणि इमानि फलानि परम् अधुना अहं जम्बूफलानि न खादिष्यामि। अहं तु तस्य वानरस्य मधुरं हृदयं भक्षिष्यामि।"
घ. नदीमध्ये आगत्य मकरः अकथयत् यत्—"मित्र! मम भार्या त्वां गृहे निमन्त्रितवती। आगच्छ मम पृष्ठे उपविश, अहं त्वां नयामि।"
ङ. नदीमध्ये मकरस्य वार्तां श्रुत्वा वानरः स्वचातुर्येण प्राणान् रक्षति।

2. क. तस्य **शाखायाम्** एकः वानरः वसति स्म।
ख. वानरः तस्मै **मकराय** पक्वानि **जम्बूफलानि** दत्तवान्।
ग. मम भार्या त्वां **गृहे** निमन्त्रितवती।
घ. मम हृदयं वृक्षस्य **शाखायाम्** अस्ति।
ङ. मकरः **निराशो** भूत्वा स्वगृहं गतवान्।

3. क. जम्बूवृक्षस्य ख. मकराय ग. चतुरः

4. क. एकस्याः नद्याः तटे एक जम्बूवृक्षः आसीत्।

ख. मकरस्य कृते पक्वानि फलानि सन्ति।
ग. तस्य भार्या मकरं प्रति उक्तवती।
घ. मकर: वानरंरस्य पृष्ठे उपवेशयति।
ङ. अहं त्वां तत्र नयामि।

5. क. वृक्ष: = **तरु:** **विटप्** **शाखिन्**
ख. वानर: = **मर्कट:** **कपि:** **हरि:**
ग. गृहम् = **सदनम्** **भवनम्** **आलय:**
घ. नदी = **सरिता** **निर्झरिणी** **तरङ्गिगी**
ङ. भार्या = **पत्नी** **कान्ता** **सहधर्मिणी**

क्रियात्मकं कार्यम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

22 गीतामृतम्

अभ्यासकार्यम्

1. क. जनस्य अधिकार: कर्मणि भवेत्।
ख. धर्मस्य अभ्युत्थाने ईश्वर: आत्मानं सृजति।
ग. आत्मा अजर: अमर: च अस्ति।
घ. शस्त्राणि आत्मानं न छिन्दन्ति।
ङ. आत्मा शरीराणि तथैव धारयति यथा नर: जीर्णाणि वस्त्राणि विहाय नवीनानि वस्त्राणि धारयति।

2. क. **कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु** कदाचन।
मा **कर्मफल हेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि**।।
ख. परित्राणाय **साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम्**।
धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे।।
ग. वासांसि **जीर्णानि यथा विहाय**,
नवानि **गृह्णाति नरोऽपराणि**।
तथा **शरीराणि विहाय जीर्णानि**
अन्यानि संयाति नवानि देही।।

3. क. कर्मणि + एव ख. बहुवचनम् ग. क्त्वा

4.

	शब्द:		विभक्ति:	वचनम्
क.	साधूनाम्	=	**षष्ठी**	**बहुवचनम्**
ख.	कर्मणि	=	**सप्तमी**	**एकवचम्**
ग.	फलेषु	=	**सप्तमी**	**बहुवचनम्**
घ.	पावक:	=	**प्रथम**	**एकवचनम्**

5. क. ईश्वर: सर्वशक्तिमान् अस्ति।
ख. कर्म एवं मुख्यमस्ति।
ग. आत्मा अजर: अमर श्च अस्ति।
घ. आत्मानं कश्चिदपि न हन्तुं शक्नोति।
ङ. आत्मा शरीरे नष्टे सति अपि नष्ट: न भवति।

6.

जीर्णानि	+	अन्यानि	**जीर्णान्यन्यानि**
शाश्वत:	+	अयम्	**शाश्वतोऽयम्**
क्लेदयन्ति	+	आप:	**क्लेदयन्त्याप:**
सृजामि	+	अहम्	**सृजाम्यहम**

क्रियात्मकं कार्यम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

23 बालश्रमिका:

अभ्यासकार्यम्

1. क. प्रियाया: मनसि दु:खं भवति यत् अस्मिन् संसारे अनेके बालका: भोजनम्, वस्त्रं शिक्षां च प्राप्तुं समर्था: न सन्ति।
ख. बालश्रमिका: गृहेषु, आपणेषु उद्योगेषु च श्रमं कुर्वन्ति।
ग. रेलयाने बालक: मार्जन क्रियां करोति स्म।
घ. नेहाया: मनसि विचार: अस्ति यत् वयं मिलित्वा निर्धनबालेभ्य: धनम् एकत्रीकुर्म:।
ङ. शोभा निर्धन बालेभ्य: वस्त्राणि, क्रीडनकानि पुस्तकानि च दातुम इच्छति।
च. वयं बालश्रमिकानाम् उद्धाराय प्रयासं करष्याम:।

2. क. तौ विद्यालयं गच्छताम्।
ख. बालका: विद्यालये पाठान् पठन्ति।
ग. वयं भाग्यवन्त: भविष्याम:।
घ. ते जलं पिबेयु।
ङ. युवां स्वकार्यं कदा अकुरुतम?
च. सदा सत्यं मधुरं च वदेत्।

3. क. **धनिका:** जना: ख. **द्वादशवर्षीय:** बालक:
ग. **पतिता** रोटिका घ. **निर्धनेभ्य:** जनेभ्य:
ङ. **अबोधान्** बालकान्

4. क. बालश्रमिकानाम् ख. अशिक्षिता: निर्धनाश्च
ग. चतुर्थी

5.

पदम्	विभक्तिम्	लिङ्गम्	वचनम्
आपणेषु	**सप्तमी**	**नपुंसकलिङ्गम्**	**बहुवचनम्**
रेलयानेन	**तृतीया**	**नपुंसकलिङ्गम्**	**एकवचनम्**
स्वप्न:	**प्रथमा**	**पुंल्लिङ्गम्**	**एकवचनम्**
श्रमिकान्	**द्वितीया**	**पुंल्लिङ्गम्**	**बहुवचनम्**
निर्धनबालेभ्य:	**चतुर्थी**	**पुंल्लिङ्गम्**	**बहुवचनम्**

6. क. वयं धन्या: भाग्यवन्त: च बालका: स्म:।
ख. यूयं दिल्लीनगर्यां कुत्र वसथ:?
ग. आवां निर्धनबालेभ्य: पुस्तकानि अयच्छाव।
घ. त्वं बहि: गच्छ वस्तूनि च आनय।
ङ. अहं श्व: चलचित्रं द्रक्ष्यामि।

क्रियात्मकं कार्यम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

24 व्याकरणम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

संस्कृत सोपानम्-7

1 सरस्वती वन्दना

अभ्यासकार्यम्

1. क. सुरमुनयः भगवती शारदाया चरणौ प्रणमन्ति।
   ख. वाणीदेवी सरस्वती अस्ति।
   ग. चंद्रमा की शीतल, सफेद और कोमल किरणों के समान श्वेत राजहंस पर विराजमान हे सरस्वती देवी! हमारी मंदता को दूर करके हमें प्रगति के पथ का ज्ञान कराइए। श्वेत कमल पर वास करने वाली पवित्र देवी माँ! आपकी विजय होवे।
2. क. जय **जय हे भगवति सुर भारति**,
   ख. **तव चरणौ** प्रणमामः।।
   ग. **नादब्रह्ममयि**जय **वागेश्वरि**।
   घ. शरणं **ते गच्छाम**।।
3.

भगवती	**माँ**	पदकमले	**कमल रूपी चरण**
धारिणी	**धरती**	कुण्ठा	**जड़ता**
विषहारिणी	**(जहर के समान) बुराइयों को हरने वाली**	सुरभारति	**सरस्वती**

4. क. हे सरस्वती माँ तुम्हारे चरणों में प्रणाम है।
   ख. नौ रसों से मधुर कविता से मुखरित।
   ग. चन्द्रमा की शीतल सफेद और कोमल किरणों के समान श्वेत राज हंस पर विराज मान।

क्रियात्मकं कार्यम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

2 असत्यस्य परिणामः

अभ्यासकार्यम्

1. क. गोपालकस्य नाम रामः आसीत्।
   ख. वने बहवः पक्षिणः व्याघ्राः सिंहाः आदयः पशवः वसन्ति स्म।
   ग. रामः ग्रामीणैः सह उपहासं कर्तुम् अचिन्तयत्।
   घ. गोपालकस्य सहायतार्थं बहवः कृषकाः आगच्छन्।
   ङ. गोपालकः शब्दम् अकरोत् यत्—"सिंहः सिंहः! रक्षतु! रक्षतु!" "सः मम पशून् भक्षयिष्यति; तस्मात् मम पशून् रक्षत।"
   च. सिंहः रामम् हतवान्?
2. क. एकस्मिन् ग्रामे एकः **गोपालकः** आसीत्।
   ख. तस्य नाम **रामः** आसीत्।
   ग. एकदा रामः **पशून्** चारयति स्म।
   घ. अहंतु **केवलं उपहासं** करोमि स्म।
   ङ. **सिंह** रामंः हतवान्।
3. क. ✗ ख. ✓ ग. ✗ घ. ✓ ङ. ✓
4. क. नयति स्म ख. वसन्ति स्म ग. चारयति स्म
   घ. आगच्छनम् ङ. प्राप्तवान
5.

	शब्दः		विभक्तिः	वचनम्	लिङ्गम्
क.	क्षेत्रात्	=	**पंचमी**	**एकवचनम्**	**नपुंसकलिङ्गम्**
ख.	मम	=	**षष्ठी**	**एकवचनम्**	**(तीनों लिङ्गो में समान) पु०/स्त्री०/नपुं०**
ग.	तस्मात्	=	**पंचमी**	**एकवचनम्**	**पुंल्लिंङ्गम्**
घ.	व्याघ्राः	=	**प्रथमाः**	**बहुवचनम्**	**पुंल्लिंङ्गम्**
ङ.	तस्य	=	**षष्ठी**	**एकवचनम्**	**पुंल्लिंङ्गम्**
च.	ग्रामे	=	**सप्तमी**	**एकवचनम्**	**नपुंसकलिङ्गम्**

6.

पशवश्च	=	**पशवः**	+	**च**
तथैव	=	**तथा**	+	**एव**
तदैव	=	**तदा**	+	**एव**
सत्यमेव	=	**सत्यम्**	+	**एव**
प्रत्यागच्छन्	=	**प्रत्रि**	+	**आगच्छन्**
तदापि	=	**तदा**	+	**अपि**

क्रियात्मकं कार्यम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

3 भारतवर्षः

अभ्यासकार्यम्

1. क. भारते षट् ऋतवः आगच्छन्ति तेषां नामानि सन्ति—वसन्तः, ग्रीष्मः, वर्षा, शरद, हेमन्तः शिशिरश्च।
   ख. भारते जनानां विविधाः भाषाः, विविधाः सम्प्रदायाः, विविधं भोजनं विविधाः वेशभूषारूपी विविधता अस्ति।
   ग. संस्काराणां जननी संस्कृतभाषा अस्ति।
   घ. भारतीया संस्कृतिः संस्कृते निहिता अस्ति।
   ङ. भारतीया संस्कृतेः मूलमन्त्रः सर्वजनहिताय सर्वजनसुखाय अस्ति?
2. क. भारतस्य **भूभागाः** रमणीया: सन्ति।
   ख. भारतदेशे सर्वे ऋतवः **क्रमेण** आगच्छन्ति।
   ग. भारते सर्वत्र **विविधता** अस्ति।
   घ. भारतीया संस्कृतिः **संस्कृते** निहिता अस्ति।
   ङ. वयम् एकं **राष्ट्रध्वजं** नमामः।
3. क. षट् ख. संस्कृतम् ग. पर्वतेभ्यः
   घ. राष्ट्रियः ङ. त्रयः
4. क. भारतदेशः ख. विविधता। ग. ऋतवः।
   घ. नद्यः। ङ. वैविध्यमयी।
5. क. विविधाः **(iii) भाषाः**
   ख. रमणीयाः **(iv) भूभागाः**
   ग. एकम् **(i) राष्ट्रगानम्**
   घ. एका **(v) संस्कृतभाषा**
   ङ. सुमधुराम् **(ii) धाराम्**
6.

भूखण्डाः	=	**भूभागाः**	पर्वतः	=	**गिरिः**
सरिताः	=	**नद्यः**	समग्रम्	=	**सकलम्**
भोजनम्	=	**आहारम्**	स्वस्थाः	=	**निरोगाः**

7. क. कः अस्माकं देशः? ख. भारते कस्याः धारा प्रवहति?
   ग. वयमेकं कं नमामः? घ. भारते कीदृशाः भूभागाः सन्ति?
8. क. भूभागः = भारतस्य प्रत्येकः **भूभागः** रमणीयः अस्ति।
   ख. शृङ्खलाः = पर्वतानां **श्रङ्खलाः** अपि रमणीयाः सन्ति।
   ग. विविधता = भारते सर्वत्र **विविधता** दृश्यते।
   घ. सुमधुरा = भारतस्य भाषा **सुमधुरा** अस्ति।
   ङ. सन्देहः = संस्कृतभाषा अनेकासां भाषाणां जननी इति नाऽत्र **सन्देहः**।
   च. निरामयाः = सर्वे **निरामयाः** सन्तु।
   छ. भद्राणि = सर्वे **भद्राणि** पश्यन्तु।
9. क. भारत देश में रमणीय भूभाग हैं।
   ख. हमारे देश में छह ऋतुएँ क्रम से आती है।
   ग. भारत देश में एकता की सुमधुर धारा बहती है।
   घ. संस्कृत भाषा अनेक भाषाओं की जननी है।
   ङ. सभी अच्छाइयाँ (कल्याण) देखें।

क्रियात्मकं कार्यम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

4 बुद्धेः चातुर्यम्

अभ्यासकार्यम्

1. क. राजोद्यानं तौ सम्राट् अकबरः मुख्य अमात्य बीरबलश्च विहारार्थम् अगच्छताम्।
   ख. काकान् दृष्ट्वा अकबरः बीरबलम् अवदत् यत् बोधय मम राज्ये कति काकाः सन्ति इति।
   ग. सम्राट अकबरः बीरबलाय पुरस्कारं यच्छति यतोहि सः बीरबलस्य बुद्धि चातुर्थं स्वीकरोति।
   घ. यथा रजकस्य गर्दभः वस्त्राणां भारं वहति तथैवः त्वमपि वहसि इत्युक्त्वा अकबरः बीरबलम् दृष्ट्वा उपाहसत्।
   ङ. बीरबलेन अकबरं तस्य वचनं स्मारितं तु तदा बीरबलः अनेकान् उपहारान् लब्धवान्।

2. क. सरोवरस्य निकटे सः **अनेकान् काकान्** अपश्यत्।
खं. विस्मितः सम्राट् **तूष्णीम्** अतिष्ठत्।
ग. अकबरः बीरबलस्य **बुद्धेः चातुर्यं** स्वीकरोति।
घ. विनोदप्रियः अकबरः तं दृष्ट्वा **उपाहसत्**।
ङ. तस्मै अनेकान् **उपहारान्** अयच्छत्।

3. क. काकाः ख. विनोदप्रियः ग. उष्ट्रस्य

4. क. अकबरबीरबलौ। ख. सरोवरम्।
ग. गर्दभः। घ. उपहारान्।

5. क. विहाराय = **व्+इ+ह्+आ+र्+आ+य्+अ**
ख. काकान् = **क्+आ+क्+आ+न्**
ग. कारयतु = **क्+आ+र्+अ+य्+अ+त्+उ**
घ. पुरस्कारम् = **प्+उ+र्+अ+स्+क्+आ+र्+अ+म्**
ङ. ग्रीवा = **ग्+र्+ई+व्+आ**

6.

	विशेषण शब्दाः	विशेष्य शब्दाः
क.	**अनेकान्**	काकान्
ख.	**विनोदप्रियः**	सम्राट्
ग.	**अधिका**	सङ्ख्या
घ.	**सम्राट्**	अकबरः
ङ.	**त्रयाणां**	गर्दभाणाम्
च.	**अनेकान्**	उपहारान्

7. क. सम्राट् अकबरः स्वमुख्यामात्येन सह राजोद्याने विहाराय अगच्छत्।
ख. बोधय, मम राज्ये कति काकाः सन्ति?
ग. भवान् एतेषां गणनां कारयतु।
घ. त्वम् अस्माकं वस्त्राणि धृत्वा तिष्ठ।
ङ. सः तस्मै अनेकान् उपहारान् अयच्छत्।

8.

	विभक्तिः		एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
क.	अमात्यः (द्वितीया)	=	**अमात्यम्**	**अमात्यौ**	**अमात्यान्**
ख.	सरोवरः (षष्ठी)	=	**सरोवरस्य**	**सरोवरयोः**	**सरोवराणाम्**
ग.	गणना (तृतीया)	=	**गणनया**	**गणनाभ्याम्**	**गणनाभिः**
घ.	राज्यः (पञ्चमी)	=	**राज्यात्**	**राज्याभ्याम्**	**राज्येभ्यः**
ङ.	ग्रीवा (चतुर्थी)	=	**ग्रीवायै**	**ग्रीवाभ्याम्**	**ग्रीवाभ्यः**
च.	वचनम् (प्रथमा)	=	**वचनम्**	**वचने**	**वचनानि**

क्रियात्मकं कार्यम्
विद्यार्थी स्वयं करें।

5 आचार्यः चाणक्यः

अभ्यासकार्यम्

1. क. मौर्यवंशस्य संस्थापकः चन्द्रगुप्तः आसीत्।
ख. चाणक्यस्य जन्म पाटलिपुत्र जनपदस्य 'चणय' इति ग्रामे अभवत्।
ग. चाणक्यस्य माता तं पठनार्थं तक्षशिला विश्वविद्यालये प्रेषितवती।
घ. चाणक्यः एकः महान् समाजसेवी देशभक्तः च आसीत्।
ङ. राज्ञः धनानन्दस्य अपमानेन चाणक्यः तस्य विनाशाय निश्चयम् अकरोत्।

2. क. चाणक्य प्रतिभाशाली थे।
ख. चंद्रगुप्त की माता मुरा थीं।
ग. सेल्यूकस चंद्रगुप्त से पराजित हो गया।
घ. चाणक्य ने राजनीति की पुस्तक लिखी।
ङ. चाणक्य चंद्रगुप्त को तक्षशिला ले गए।

3. क. चन्द्रगुप्तः **मौर्यवंशस्य** संस्थापकः आसीत्।
ख. **आचार्यः चाणक्यः** धनानन्दस्य विनाशाय निश्चयम् अकरोत्।
ग. चाणक्यः **एकं क्रीडन्तं** बालकम् अपश्यत्।
घ. चाणक्यः चन्द्रगुप्तं **तक्षशिलाम्** अनयत्।
ङ. सिकन्दरस्य सेनापतिः **सेल्यूकातः** आसीत्।

4.

क्रियापद	धातुः	लकारः	पुरुषः	वचनम्
अभवत्	**भू**	**लङ्**	**प्रथमः**	**एकवचनम्**
अजयत्	**जि**	**लङ्**	**प्रथमः**	**एकवचनम्**
अकरोत्	**कृ**	**लङ्**	**प्रथमः**	**एकवचनम्**
पठन्ति **पठ्**	**लट्**	**प्रथमः**	**बहुवचनम्**	
अलिखत्	**लिख्**	**लङ्**	**प्रथमः**	**एकवचनम्**

5.

चासीत्	=	**च**	+	**आसीत्**
अतीव	=	**अति**	+	**इव**
अद्यापि	=	**अद्य**	+	**अपि**
यद्यपि	=	**यदि**	+	**अपि**

क्रियात्मकं कार्यम्
विद्यार्थी स्वयं करें।

6 उद्यानम्

अभ्यासकार्यम्

1. क. नगरे एकं मनोहरम् उद्यानम् अस्ति।
ख. लताः उद्याने सन्ति।
ग. लतासु विविधवर्णानि पुष्पाणि विकसन्ति।
घ. खगाः वृक्षेषु उपविशन्ति।
ङ. तरणं स्वास्थ्यकरम् अस्ति।

2. क. अस्माकं नगरे एकं **मनोहरम् उद्यानम्** अस्ति।
ख. अस्मिन् उद्याने **अनेकाः वृक्षाः** सन्ति।
ग. एतत् प्रकृत्याः **अनुग्रहस्थली** अस्ति।
घ. अत्र अनेकाः **लताः** सन्ति।
ङ. उपवने वृक्षेषु खगाः **उपविष्टाः** सन्ति।

3. क. मनोहरम् ख. मयूराः ग. तरणम्

4.

क.	एकास्मिन्	**एक**	+	**अस्मिन्**
ख.	क्रीडास्थलानि	**क्रीडा**	+	**स्थलानि**
ग.	अत्यधिकम्	**अति**	+	**अधिकम्**
घ.	बालिकाश्च	**बालिकाः**	+	**च**
ङ.	क्रीडार्थम्	**क्रीडा**	+	**अर्थम्**
च.	मधुरस्वरेण	**मधुर**	+	**स्वरेण**

5. क. हमारे शहर में एक मनोहर बगीचा है।
ख. यह नगर से बाहर है।
ग. यह प्रकृति की अनुग्रहस्थली है।
घ. इस उद्यान में अनेक पेड़ हैं।
ङ. यहाँ वृक्षों की छाया शीतल होती है।
च. लताओं पर विविध रंग के फूल खिलते हैं।
छ. बगीचे में पेड़ों पर पक्षी बैठते हैं।

6. क. अहं लक्ष्मणपुरे वसामि।
ख. मम नगरे एकं मनोरहम् उद्यानम् अस्ति।
ग. अस्मिन् उद्याने अनेके सुन्दराः सुन्दराः वृक्षाः सन्ति।
घ. अत्र वृक्षाणां छाया शीतला भवति।
ङ. खगाः वृक्षाणां फलानि खादन्ति।
च. पिकः मधुरस्वरे कूजति।
छ. मधुमक्षिकाः पुष्परसं पिबन्ति।

7. क. (✓) ख. (✓) ग. (✓) घ. (✗)
ङ. (✓) च. (✓) छ. (✗)

8.

दोलारूढा	=	**दोलायाम् आरूढा**	**सप्तमी तत्पुरुष समासः**
क्रीडास्थलानि	=	**क्रीडायाः स्थलानि**	**षष्ठी तत्पुरुष समासः**
अनुग्रहस्थली	=	**अनुग्रहाणां स्थली**	**षष्ठी तत्पुरुष समासः**
पङ्कजम्	=	**पङ्के जायते**	**सप्तमी तत्पुरुष समासः**

क्रियात्मकं कार्यम्
विद्यार्थी स्वयं करें।

7 सुभाषितानि

अभ्यासकार्यम्

1. क. निश्चित ही जैसे एक पहिए से रथ की गति नहीं होती अर्थात् एक पहिए से रथ नहीं चल सकता, वैसे ही परिश्रम के बिना भाग्य फलीभूत नहीं होता है।
ख. असाधुं साधुना जयेत्।
ग. प्रियं सत्यं ब्रूयात्।
घ. प्रभाते रविः दीपकः अस्ति।
ङ. सुपुत्रः कुल दीपकः भवति।
च. पिता आकाशात् उच्चतरः अस्ति।
छ. जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गात् गरीयसी भवति।

2. क. यथा **हि एकेन चक्रेण न रथस्य गतिः भवेत्**।

एवं **पुरुषकारेण विना दैवं न सिध्यति**।।
ख. उत्सवे **व्यसने प्राप्ते दुर्भिक्षे शत्रुसङ्कटे**।
राजद्वारे श्मशाने च यः तिष्ठति स बान्धवः।।
ग. **प्रदोषे दीपकः चन्द्रः प्रभाते दीपकः** रविः।
त्रैलोक्ये **दीपकः धर्मः सुपुत्रः कुलदीपकः**।।

3. क. दानेन ख. सुपुत्रः ग. अप्रियम्

4.

दैवम्	=	**भाग्यम्**	साधु	=	**सज्जनः**
कदर्यम्	=	**कृपणम्**	प्रभाते	=	**प्रातःकाले**
चन्द्रः	=	**रजनीपतिः**	जननी	=	**अम्बा**
सनातनः	=	**प्राचीनः**	दुर्भिक्षे	=	**अकाले**

5.

क.	विद्या	(v)	**अविद्या**
ख.	कुपुत्रः	(i)	**सुपुत्रः**
ग.	सत्यम्	(iv)	**असत्यम्**
घ.	अप्रियम्	(iii)	**प्रियम्**
ङ.	धर्मः	(ii)	**अधर्मः**

6. क. पुरुषार्थं विना कार्याणि न सिध्यन्ति।
ख. माता पृथिव्याः श्रेष्ठा भवति।
ग. सन्मित्राणि सङ्कटे सहायतां कुर्वन्ति।
घ. वयं सदा सत्यं प्रियं च ब्रूयाम।
ङ. सुपुत्रः कुलदीपकः भवति।

क्रियात्मकं कार्यम्
विद्यार्थी स्वयं करें।

8 दुर्गापूजा

अभ्यासकार्यम्

1. क. दुर्गापूजा शरत्काले आश्विनमासे भवति।
ख. दुर्गायाः प्रसादेन श्रीरामः रावणं हतवान्।
ग. प्रतिमाः जले विसर्जिताः भवन्ति।
घ. देवी दुर्गा महिषासुर नामकं राक्षसं हतवती।
ङ. देवीप्रतिमाः उत्तमरीत्या सज्जितानि भवन्ति।

2.

	विशेषण		**विशेष्य**
क.	अनेका	(iv)	**कार्यक्रमाः**
ख.	जगज्जननी	(v)	**दुर्गा**
ग.	प्रतिष्ठिता	(iii)	**प्रतिमा**
घ.	मनोरञ्जकाः	(i)	**कथाः**
ङ.	दशम्याम्	(ii)	**तिथौ**

3. अनु, आ, वि, उप, प्र

4. क. **धर्मः–अधर्मः**
धर्मस्य विजयः भवति। अधर्मस्य पराजयः भवति।
ख. **हतवान–हतवती**
श्रीरामः रावणं हतवान्। दुर्गा महिषासुरं हतवती।
ग. **खादन्ति–खादयन्ति**
वानराः फलानि खादन्ति। सेवकाः बालान् फलानि खादयन्ति।
घ. **गच्छन्ति–आगच्छन्ति**
जनाः तत्र भ्रमणाय गच्छन्ति। भक्ताः दर्शनाय आगच्छन्ति।
ङ. **पूजिता–विसर्जिता**
सर्वत्र दुर्गायाः प्रतिमा पूजिता भवति। कालान्तरं सा प्रतिमा विसर्जिता भवति।

5. क. (✗) ख. (✓) ग. (✓) घ. (✗) ङ. (✗)

6. क. श्रीरामः रावणेन सह युद्धं कृतवान्।
ख. एषा 'विजयादशमी' इति कथ्यते।
ग. बहुषु स्थलेषु विविधाः कार्यक्रमाः भवन्ति।
घ. दुर्गा आदिशक्तिः अस्ति।
ङ. दुर्गाप्रसादेन धर्मः जयति।

7. क. भारतः उत्सवानां देशः अस्ति।
ख. रामः रावणं हतवान्।
ग. अधर्मस्यनाशः भवति, धर्मस्य विजयः भवति।
घ. दुर्गा प्रतिमायाः जले विसर्जनं भवति।
ङ. दुर्गा विजयस्य प्रतीका अस्ति।
च. देवी दुर्गा महिषासुरं हतवती।
छ. वयं मनोरञ्जकान् कार्यक्रमान् द्रक्ष्यामः।

8. क. श्रीरामः मर्यादापुरुषोत्तमः कथ्यते।
ख. श्रीरामः पितृभक्तः आज्ञाकारी च आसीत्।
ग. श्रीरामः धर्मरक्षकः आसीत्।
घ. श्रीरामः अत्युदारः आसीत्।
ङ. श्रीरामः धीरवान् आसीत्।

क्रियात्मकं कार्यम्
विद्यार्थी स्वयं करें।

9 सूर्योदयः

अभ्यासकार्यम्

1. क. सूर्यः पूर्व दिशायाम् उदयति?
ख. प्रातः कालिकं वातावरणे खगानां कलरवैः गुञ्जितं भवति। उद्यानेषु तरूणां शाखासु पुष्पाणि विकसन्ति। सुगन्धेन पूरितः वायुः मन्दं मन्दं चलति।
ग. बालाः विद्यालये पठनाय गच्छन्ति।
घ. भानुं विना जीवनम् असम्भवम्।
ङ. सूर्यस्य पर्यायवाचि शब्दा सन्ति—भास्करः, भानुः, सहस्रांशुः, रविः इति।

2. क. इदानीं **प्रभातवेला** अस्ति।
ख. सूर्यकिरणैः **अन्धकारः** नश्यति।
ग. भक्ताः **स्नात्वा** देवालयं गच्छन्ति।
घ. ताः **पाकशालायां** प्रातराशं पचन्ति।
ङ. यः **संसाराय** प्रकाशं यच्छति, तस्मै **भानवे** नमः।

3. क. शनैः शनैः ख. उद्यानम् ग. प्रकाशम्

4. क. अन्धकारः। ख. तरुणाम्। ग. प्रभुम्।
घ. प्रातराशम्। ङ. अध्ययनम्।

5. क. यः अस्माकं मार्गदर्शकः तस्मै गुरवे **नमः**।
ख. सः अपि मया **सह** गमिष्यति।
ग. वृद्धः **शनैः शनैः** चलति।
घ. मृगाः वनं **प्रति** गच्छन्ति।
ङ. अहं मित्रैः **विना** न क्रीडिष्यामि।

6.

क.	शनैः शनैः	=	कच्छपः **शनैः शनैः** चलति।
ख.	सर्वत्र	=	**सर्वत्र** अन्धकारः व्याप्तः अस्ति।
ग.	निद्रा	=	अधुना मां **निद्रा** आयति।
घ.	रतः	=	कपिलः अध्ययने **रतः** अस्ति।
ङ.	प्रखरः	=	सूर्यस्य अंशुः **प्रखरः** अस्ति।

7.

क.	इदानीम्	(iv)	**अब**
ख.	शनैः	(vi)	**धीरे**
ग.	त्यक्त्वा	(v)	**छोड़कर**
घ.	क्रीत्वा	(i)	**खरीदकर**
ङ.	स्मृत्वा	(iii)	**याद करके**
च.	प्रणम्य	(ii)	**प्रणाम करके**

8.

शब्दाः		**विभक्तयः**	**एकवचनम्**	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
साधु	—	प्रथमा	**साधुः**	**साधू**	साधवः
गुरु	—	द्वितीया	गुरुम्	**गुरू**	**गुरून्**
भानु	—	तृतीया	**भानुना**	भानुभ्याम्	**भानुभिः**
तरु	—	चतुर्थी	**तरवे**	**तरुभ्याम्**	तरुभ्यः
पशु	—	पञ्चमी	पशोः	**पशुभ्याम्**	**पशुभ्यः**

क्रियात्मकं कार्यम्
विद्यार्थी स्वयं करें।

10 ताजप्रासादभ्रमणम्

अभ्यासकार्यम्

1. क. विद्यालयस्य छात्राः अध्यापकैः सह आगरानगरं ताजप्रासाददर्शनाय आगच्छन्ति।
ख. सर्वे छात्राः उच्चस्वरेण अवदन् यत् पश्यत तत्र स्थितं ताजप्रासादम्।
ग. ताजप्रासादस्य चतुर्कोणेषु वृत्ताकाराः स्तम्भाः सन्ति।
घ. ताजप्रासादः संगमरमर नामख्यं पाषाणखण्डेषु निर्मितः।
ङ. छात्राः चतुर्होरापरान्ते प्रत्यागच्छन्।

2. क. दूरात् एव ताजप्रासादस्य **गुम्मदं** दृष्ट्वा छात्राः **प्रसन्नाः** अभवन्।
ख. कुल्याम् उभयतः **हरितोद्यानेषु** विविध वृक्षाः सन्ति।

ग. ताजप्रासादः 'संगमरमर' नामाख्यं **पाषाणाखण्डेषु** निर्मितम् अस्ति।
घ. यमुना तटे स्थितः अद्य प्रभृति **त्रिशतवर्षं** पूर्वं निर्मितः।
ङ. अयं **ताजप्रासादः** अद्यापि मनोहारी वर्तते।

3. क. अवतीर्य = बसयानात् **अवतीर्य** वयं ताजप्रासादं प्रति अगच्छाम।
ख. दर्विकावर्तिकाया = **दर्विकावर्तिकाया** प्रकाशे मया वस्तूनि दृष्टानि।
ग. दर्शनेषु = तेषां **दर्शनेषु** वयं तत्पराः आस्म।
घ. मुदिताः = ताजप्रासादं दृष्टवा बायं **मुदिताः** स्म।
ङ. निर्मितम् = ताजप्रासादः त्रिशतवर्षं पूर्वं **निर्मितम्।**

4. क. बालिकाः ताजप्रासादं पश्यन्ति स्म।
ख. छात्राः शुल्कवाहनात् अवतरन्।
ग. ताः अध्यापकैः सह विद्यालयात् निर्गच्छन्ति।
घ. कानि सायं भविष्यन्ति?

5. क. महोत्सवः = **महा + उत्सवः**
ख. महेशः = **महा + ईश**
ग. नेति = **न + इति**
घ. परोपकार = **पर + उपकारः**
ङ. सप्तर्षिः = **सप्त + ऋषिः**

क्रियात्मकं कार्यम्
विद्यार्थी स्वयं करें।

11 आयुर्वेदस्य महत्त्वम्

अभ्यासकार्यम्

1. क. चत्वारः उपवेदाः सन्ति—आयुर्वेदः, धनुर्वेदः, गन्धर्ववेदः अर्थवेद च।
ख. प्रथम उपवेदस्य नाम आयुर्वेदः।
ग. आयुर्वेदस्य प्रसिद्धाः आचार्याः धन्वन्तरि चरक-सुश्रुत-वाग्भटटादयः सन्ति।
घ. वात-पित्त-कफ इति त्रयः दोषाः शरीरे भवन्ति।
ङ. मनुष्यः समुचित-पथ्य-पालनेन सर्वथा स्वस्थः भवति।

2. क. श्वः **सामान्य ज्ञान स्पर्धा** भविष्यति।
ख. चत्वारः **वेदाः** सन्ति।
ग. **आयुर्वेदे** रोगस्य निदानमस्ति।
घ. समुचित **पथ्यपालनेन** मनुष्यः सर्वथा स्वस्थः भवति।
ङ. अधुनाहं **स्पर्धायाः** कृते सज्जितोऽस्मि।

3. क. आयुर्वेदविषये ख. आयुर्वेदः ग. रोगस्य

4. क. चत्वारः। ख. चत्वारः। ग. आयुर्वेदः। घ. धन्वन्तरिः। ङ. त्रिफला।

5.

क.	चत्वारः	=	**प्रथमा**	**बहुवचनम्**	**पुंल्लिङ्गम्**
ख.	उपवेदाः	=	**प्रथमा**	**बहुवचनम्**	**पुंल्लिङ्गम्**
ग.	स्वास्थ्यलाभाय	=	**चतुर्थी**	**एकवचनम्**	**पुंल्लिङ्गम्**
घ.	शतवर्षाणि	=	**प्रथमा**	**बहुवचनम्**	**नपुंसकलिङ्गम्**
ङ.	पथ्यपालनेन	=	**तृतीया**	**एकवचनम्**	**पुंल्लिङ्गम्**

6.

क.	नाधिकम्	=	**न**	+	**अधिकम्**
ख.	आयुर्वेदानुसारम्	=	**आयुर्वेद**	+	**अनुसारम्**
ग.	विदेशेष्वपि	=	**विदेशेषु**	+	**अपि**
घ.	अधुनाऽहम्	=	**अधुना**	+	**अहम्**
ङ.	मिथ्याहारेण	=	**मिथ्या**	+	**आहारेण**

क्रियात्मकं कार्यम्
विद्यार्थी स्वयं करें।

12 सुवचनानि

अभ्यासकार्यम्

1. क. यौ पितरौ स्वबालं न पाठयतः तयोः बाल विद्वत्सभायां तथैव न शोभते यथा हंस मध्ये बकः।
ख. चन्द्रचन्दनयोः मध्ये शीतला साधु सङ्गतिः।
ग. शुष्कवृक्षाः मूर्खश्च न नमन्ति।
घ. मनुष्य का गहना रूप है, रूप का गहना गुण है। गुण का गहना ज्ञान है और ज्ञान का गहना क्षमा है।
ङ. अपठितः बालः सभामध्ये न शोभते।

2. क. सभामध्ये। ख. विद्याम्। ग. सुफलाः।
घ. गुणिनः। ङ. साधवः।

3. क. माता **शत्रुः पिता वैरी येन बालो न पाठितः**।
न **शोभते सभामध्ये हंसमध्ये बको** यथा।
ख. उद्यमेन **हि सिद्धयन्ति कार्याणि न** मनोरथैः।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः।
ग. शैले शैले **माणिक्यं मौक्तिकं न गजे गजे।**
साधवः न हि सर्वत्र चन्दनं न वने वने।।
घ. नरस्याभरणम् **रूपं रूपास्याभरणं गुणः**।
गुणस्याभरणं ज्ञानं ज्ञानस्याभरणं क्षमा।।

4. क. पिता ख. षष्ठी ग. स्त्रीलिङ्गम्

5. क. प्राज्ञाः = मूर्खाः ख. अवगुणः = **सगुणः**
ग. परिश्रमी = **अलसः** घ. धनिकस्य = **अधनस्य**
ङ. उष्णम् = **शीतलम्** च. मित्रम् = **शत्रुः**

6.

विशेषण शब्दाः	**विशेष्य शब्दाः**
सुफलाः	वृक्षाः
गुणिनो	जनाः
सुप्तस्य	सिंहस्य
शीतलं	चन्दनम्
शीतला	साधु-सङ्गतिः

7. क. नमन्ति = गुणिनो जनाः **नमन्ति।**
ख. सिध्यन्ति = कार्याणि उद्यमेन एव **सिध्यन्ति।**
ग. पाठितः = तौ पितरौ शत्रू याभ्यां स्व बालः न **पाठितः।**
घ. प्रविशन्ति = सुप्तस्य सिंहस्य मुखे मृगाः न **प्रविशन्ति।**
ङ. सर्वत्र = साधवः **सर्वत्र** न भवन्ति।

8. क. अमित्रं जनं सुखं न लभते।
ख. चन्दनवृक्षः शीतलः भवति।
ग. केवलम् इच्छया कार्याणि न सिध्यन्ति।
घ. गुणिनः जनाः नम्राः भवन्ति।
ङ. सज्जनाः दुर्लभाः भवन्ति।
च. चन्दनवृक्षः सुलभः न भवति।
छ. परिश्रमेण कार्याणि सिध्यन्ति।

क्रियात्मकं कार्यम्
विद्यार्थी स्वयं करें।

13 भोजनं शरीररक्षकम्

अभ्यासकार्यम्

1. क. शरीरम् अन्नमयः कोशः कथ्यते।
ख. चणकः, तण्डुलम् गोधूमः, द्विदलम्, यवः, मुद्गः, माषः इत्यादिकम् अन्नंभोजनम्।
ग. भोजनशास्त्रनिष्कर्षे उक्तं यत् शाकाहारी मनुष्यः दीर्घायुः भवति। मांसाहारिणः जीवनम् अल्पतरम्।
घ. ओदनः द्विदलं रोटिका च भारतस्य मुख्यं भोजनम्।
ङ. हितभुक् मितभुक् शाकभुक्-भोजनशास्त्राणां सर्वानुसन्धान निष्कर्षः इति वचनम् आजीवनं पालनीयम्।

2. क. शरीरम् **अन्नमयकोशः** कथ्यते।
ख. शाकाहारी मनुष्यः **दीर्घायुः भवति।**
ग. बहुश नागरिकाः **रोटिकाः** खादन्ति।
घ. मधु **रक्तशोधकम्** उच्यते।
ङ. स्वस्थे नीरोगे **अकुण्ठितं मस्तिष्कं** तिष्ठति।
च. **धर्मार्थ काममोक्षाणाम्** आरोग्यं मूलम् उत्तमम्।

3. क. (✗) ख. (✓) ग. (✗) घ. (✓)
ङ. (✓) च. (✓) छ. (✓)

4.

उक्तञ्च	=	**उक्तं + च**
नगराञ्चले	=	**नगर + अञ्चले**
अवश्यमेव	=	**अवश्यम् + एव**
सदैव	=	**सदा + एव**
तक्रादिकम्	=	**तक्र + आदिकम्**
शरीरमाद्यम्	=	**शरीरम् + आद्यम्**

5. क. नवीनतम्, दुग्धम्, तक्रम, घृतम् इत्यादिकं पेयम् अस्ति।

ख. मांसाहार: मनुष्याय उत्तम भोजनं नास्ति।
ग. मद्यपानं शरीरं नाशयति।
घ. रोगरहिते मस्तिष्के सुमेधा: मेधा सदविचारा: च आयान्ति।
ङ. बाला: मिष्टानानि प्रेम्णा खादन्ति।
च. बालेभ्य: दुग्धम् अमृतं मन्यते।
छ. रात्रौ दधि न भोक्तव्यम्।

6.

	पदम्		विभक्तिः	वचनम्	लिङ्गम्
क.	शरीर	=	**प्रथमा**	**एकवचनम्**	**नपुंसकलिङ्गम्**
ख.	मनुष्यै:	=	**तृतीया**	**बहुवचनम्**	**पुंल्लिङ्गम्**
ग.	रोटिका:	=	**प्रथमा**	**बहुवचनम्**	**स्त्रीलिङ्गम्**
घ.	स्फूर्तिम्	=	**द्वितीया**	**एकवचनम्**	**स्त्रीलिङ्गम्**
ङ.	मेधा	=	**प्रथमा**	**एकवचनम्**	**स्त्रीलिङ्गम्**
च.	औषधम्	=	**प्रथमा**	**एकवचनम्**	**नुपंसकलिङ्गम्**

7. क. शरीर अन्न से निर्मित कहलाता है।
ख. यह सब शाकाहारी मनुष्यों का भोजन है।
ग. शाकाहारी मनुष्य दीर्घायु होता है।
घ. मांसाहारियों का जीवन बहुत कम होता है।
ङ. बच्चे मिठाई रुचिपूर्वक खाते हैं।
च. हे इंद्र! तुम मुझे मेधा (बुद्धि) से युक्त करो।
छ. शहद रक्तशोधक कहलाता है।

8. क. शरीरम् अन्नमय: कोश: **कथ्यते**।
ख. शाकाहार: निरामिष: एवं मनुष्यै: **भोक्तव्य:**।
ग. सर्वविधं व्यञ्जनं भारते विशेषत: उत्तरभारते अधिकं **प्रचलितम्**।
घ. कश्चित् शष्कुली खादितुम् अधिकम् **इच्छति**।
ङ. अत्र मिष्टान्नमपि **विक्रीयते**।

क्रियात्मकं कार्यम्
विद्यार्थी स्वयं करें।

14 सुदासः

अभ्यासकार्यम्

1. क. सरोवरे एकं विकसितं पद्मम् अवशिष्टम् आसीत्।
ख. भगवान् बुद्ध: एकस्य विशालवृक्षस्य छायायाम् उपविष्ट: आसीत्।
ग. बुद्धदेवस्य आनने दिव्यानन्द: नेत्रयो: च अपारा करुणा आसीत्।
घ. सुदास: बुद्धदेवम् अवदत् —''प्रभो! तव चरणधूल्या: एकं कणं वाञ्छामि।''

2. क. सरोवरे केवलम् एकं **विकसितं पद्मम्** अवशिष्टम् आसीत्।
ख. एतत् **मनोहरं** कमलं **बुद्धदेवाय** समर्पयिष्यामि।
ग. अहं एतस्मै **कमलाय दशस्वर्णमुद्रा:** दास्यामि।
घ. पुष्पं गृहीत्वा **बुद्धस्य** दर्शनाय स: वेगेन अधावत्।
ङ. तव **चरणधूल्या:** एकं कणं वाञ्छामि।

3. क. पद्मस्य ख. लृट् लकार: ग. षष्ठी

4. क. शिशिरशीतेन। ख. सुदास:।
ग. एकास्वर्णमुद्रा। घ. दशास्वर्णमुद्रा।

5.

क.	शीतेन	**(iv)**	**ठंड से**
ख.	मालाकार:	**(iii)**	**माली**
ग.	विचिन्त्य	**(v)**	**सोचकर**
घ.	उपविष्ट:	**(i)**	**बैठा**
ङ.	विहस्य	**(ii)**	**हँसकर**

6. क. शिशिरस्य शीतेन सर्वे तरव: शुष्का: अभवन्।
ख. सुदास: अचिन्तयत् यत् एतत् कुसुमं राज्ञे दास्यामि।
ग. कालान्तरे एक: श्रेष्ठी तत् पुष्पं क्रेतुम् अवाञ्छत्।
घ. आशीर्वादरूपेण अहं प्रभूतं वित्तं प्राप्स्यामि।

7.

नीत्वा	=	**क्त्वा**	गन्तुम्	=	**तुमुन**
विहस्य	=	**ल्यप्**	विकसितुम्	=	**तुमुन**
आदाय	=	**ल्यप्**	दत्त्वा	=	**क्त्वा**

क्रियात्मकं कार्यम्
विद्यार्थी स्वयं करें।

15 गुरुभक्तः

अभ्यासकार्यम्

1. क. आरुणि: महर्षे: धौम्यस्य आश्रमे अधीते स्म।
ख. गुरु: आरुणिं केदारखण्डं रक्षितुम आदिशत्।
ग. आरुणे: स्वयमेव केदारखण्डे शयिते जलस्य प्रवाहो रुद्धोऽभवत्।
घ. ''वत्स! त्वं मम अभूतपूर्व: शिष्य:। कल्याणं ते भवतु। सर्वे वेदा: सर्वाणि शास्त्राणि च तव प्रतिभान्तु। अयं हि मम आशीर्वाद:।'' इति गुरु: अवदत्।
ङ. आरुणि: गुरो: प्रसादेन अल्पेनैव कालेन सर्वा: विद्या: अशिक्षत्।

2. क. पुरा एक: **धौम्य:** नामक: महर्षि: आसीत्।
ख. तत्र सर्वान् जलमार्गान् **मृत्तिकया** अबद्धनात्।
ग. मृत्तिका जलस्य वेगेन **तत्र स्थातुं न** अशक्नोत्।
घ. ततो जलस्य **प्रवाह:** अव रुद्धोऽभवत्।
ङ. सर्वे वेदा: सर्वाणि **शास्त्राणि च** तव प्रतिभान्तु।

3. क. धौम्य: ख. आरुणि: ग. आज्ञाकारी

4.

क.	महर्षि:	=	**महा**	+	**ऋषि:**
ख.	विद्यार्थी	=	**विद्या**	+	**अर्थी**
ग.	स्वयमेव	=	**स्वयम्**	+	**एव**
घ.	संस्थित:	=	**सम्**	+	**स्थित:**
ङ.	आशीर्वाद:	=	**आशी:**	+	**वाद:**
च.	प्रत्यवदत्	=	**प्रति**	+	**अवदत**
छ.	अल्पेनैव	=	**अल्पेन**	+	**एव**

5. क. पुरा धौम्य: नामक: ऋषि: आसीत्।
ख. तस्य आश्रमे बहव: विद्यार्थिन: अध्ययनं कुर्वन्ति स्म।
ग. तेषु एक: आरुणि नामक: शिष्य: अपि आसीत्।
घ. महर्षि: आरुणि केदारखण्डं बद्धुम् अप्रेषयत्।
ङ. मृत्तिकया जलवेगम् आरुणि: रोद्धुं न अशक्नोत।
च. गुरो: कृपया आरुणि सर्वा: विद्या: अप्राप्नोत्।

6. क. तब आरुणि स्वयं ही वहाँ लेट गया।
ख. उसके बाद जल का प्रवाह रुक गया।
ग. वैसे रहते हुए वह दिन बीत गया।
घ. तो हम सभी वहाँ जाते हैं जहाँ वह आरुणि गया।
ङ. आवाज सुनकर आरुणि मेंड से उठकर गुरु के सामने उपस्थित हुआ।
च. वत्स! तुम मेरे अभूतपूर्व शिष्य हो। तुम्हारा कल्याण हो।

7. क. (✗) ख. (✗) ग. (✗)
घ. (✓) ङ. (✓)

8.

	शब्द:		विभक्ति:	वचनम्
क.	सर्वान्	=	**द्वितीया**	**बहुवचनम्**
ख.	जलस्य	=	**षष्ठी**	**एकवचनम्**
ग.	सर्वाणि	=	**प्रथमा**	**बहुवचनम्**
घ.	प्रसादेन	=	**तृतीया**	**एकवचनम्**
ङ.	अस्मि	=	**उत्तम पुरुष**	**एकवचनम्**

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

क्रियात्मकं कार्यम्
विद्यार्थी स्वयं करें।

16 मूर्खः भृत्यः

अभ्यासकार्यम्

1. क. भृत्य: आज्ञाकारी परं मूर्ख: आसीत्।
ख. धनिकस्य पुत्र: भृत्यं बिडालशावकम् आनेतुम् आदिशति।
ग. भृत्य: दुग्धं पात्रं दोरकेण बद्ध्वा कर्षित्वा च आनयति।
घ. धनिक: निराशो भूय वदति यत् भो महापण्डित, दूरम् अपसर, कृष्णं भवतु ते मुखम्।
ङ. भृत्य: मुखं कज्जलेन लिम्पति।

2. क. तस्य एक: **आज्ञाकारी** परं **मूर्ख:** भृत्य: आसीत्।
ख. धनिक: तं **लवणम्** आनेतुम् आदिशत्।
ग. भविष्ये वस्तूनि **मञ्जूषायाम्** एवम् आनेतव्यानि।
घ. **कृष्णं** भवतु ते मुखम्।
ङ. धनिक: **स्वभालं** हस्तेन ताडयति।

3. क. नगरे ख. मञ्जूषायाम् ग. हस्तेन

4. क. कस्यचित् धनिकस्य एक: मूर्ख: भृत्य: आसीत्।

ख. सः भृत्यः स्व स्वामिनः ज्ञायाः पालनं करोति स्म।
ग. धनिक तं हटटात् लवणमानेतुं अकथयत्।
घ. धनिकः तम् अबोधयत् यत् लवणे पात्रे स्थापयित्वा आनेतव्यम्।
ङ. भृत्यः स्वमुखं कृष्णं कृत्वा धनिक समक्षम् उपस्थितः अभवत्।

5.

क.	दोरकेण	=	**तृतीया**	**एकवचनम्**	**नपुंसकलिङ्गम्**
ख.	धनिकस्य	=	**षष्ठी**	**एकवचनम**	**पुंल्लिङ्गम्**
ग.	आपणात्	=	**पञ्चमी**	**एकवचनम्**	**नपुंसकलिङ्गम्**
घ.	लवणम्	=	**प्रथमा**	**एकवचनम्**	**नपुंसकलिङ्गम्**
ङ.	मञ्जूषायाम्	=	**सप्तमी**	**एकवचनम्**	**स्त्रीलिङ्गम्**
च.	भृत्याय	=	**चतुर्थी**	**एकवचनम्**	**पुंल्लिङ्गम्**

6. क. **कस्मिंश्चित्** देशे एकः नृपः आसीत्।
ख. ते अपठन् **परम्** उत्तीर्णाः न अभवन्।
ग. **कदापि** असत्यं मा वद।
घ. **यथा** परिश्रमं **तथा** फलम्।
ङ. सत्यम् **एव** जयते।
च. सः विद्यालयात् **बहिः** गच्छति।

7. क. भृत्यः लवणम् आनेतुं गमिष्यति।
ख. सः भृत्यम् आदिशत्।
ग. सः मूर्खः भविष्यति।
घ. पशून् दोरकेण बद्ध्वा आनयतु।
ङ. त्वं दुग्धम् आनयसि।

8.

क.	लवणम्	(vii)	**मधुरम्**
ख.	मूर्खः	(iii)	**पण्डितः**
ग.	धनिकः	(v)	**निर्धनः**
घ.	भृत्यः	(vi)	**स्वामी**
ङ.	जीर्णवस्त्रम्	(ii)	**नूतनवस्त्रम्**
च.	उष्णम्	(iv)	**शीतलम्**
छ.	दूरम्	(i)	**निकटम्**

9.

तथा	+	एव	=	**तथैव**
कदा	+	अपि	=	**कदापि**
अत्र	+	अन्तरे	=	**अत्रान्तरे**
सम्	+	लिप्य	=	**संलिप्य**
प्रति	+	आगच्छति	=	**प्रत्यागच्छति**
यदि	+	अपि	=	**यद्यपि**
प्रति	+	एक	=	**प्रत्येक**

क्रियात्मकं कार्यम्
विद्यार्थी स्वयं करें।

17 सूक्तयः

अभ्यासकार्यम्

1. क. अविवेकः परमापदां पदम् अस्ति।
ख. श्रद्धावान् ज्ञानं लभते।
ग. सर्वत्र विद्वान् पूज्यते।
घ. लोभः पापस्य कारणम् अस्ति।
ङ. अनर्थाः छिद्रेषु बहुली भवन्ति।

2. क. थोड़ी (अधकचरी) विद्या भयानक है।
ख. समय को बर्बाद करने पर विद्या कहाँ?
ग. लालच पाप का कारण है।
घ. विवेकहीनता घोर आपदाओं की जननी है।

3. क. विदुषः सर्वत्र पूजां भवति।
ख. अल्पविद्या भयङ्करी भवति।
ग. सन्तोष एव परमं धनम्।
घ. अस्माकम् आचरणम् साधु स्यात्।
ङ. श्रद्धावान् ज्ञानं प्राप्नोति।
च. समयः अमूल्यः अस्ति।

4. क. आचरण सबसे बड़ा धर्म है।
ख. अच्छाई-बुराई संगति से उत्पन्न होती है।
ग. श्रद्धालु ज्ञान पाता है।
घ. त्रुटियों से मुसीबतें बढ़ जाती है।

5.

क.	कारणम्	=	**कारण**	लोभः पापस्य **कारणम्**।
ख.	कुतः	=	**कहाँ**	अलसाय विद्या **कुतः**।
ग.	भुज्यते	=	**भोगा जाता है**	यथा क्रियते तथा **भुज्यते**।
घ.	सर्वत्र	=	**सब जगह**	विद्वान् **सर्वत्र** पूज्यते।
ङ.	लभते	=	**पाता है।**	श्रद्धावान् ज्ञानं **लभते**।

6.

क.	संसर्गजा	=	**संसर्गजा** दोष गुणाः भवन्ति।
ख.	पदम्	=	अविवेकः परमापदां **पदम्**।
ग.	छिद्रेषु	=	**छिद्रेषु** अनार्थाः भवन्ति।
घ.	श्रद्धावान्	=	**श्रद्धावान्** ज्ञानं लभते।
ङ	सर्वत्र	=	ईश्वरः **सर्वत्र** अस्ति।

7.

क.	विद्वान्	(iv)	सर्वत्र पूज्यते
ख.	आचारः	(v)	परमो धर्मः
ग.	यथा क्रियते	(i)	तथा भुज्यते
घ.	अल्पविद्या	(ii)	भयङ्करी
ङ.	क्षणत्यागे	(iii)	कुतो विद्या

क्रियात्मकं कार्यम्
विद्यार्थी स्वयं करें।

18 सन्मित्रम्

अभ्यासकार्यम्

1. क. मित्रम् मनसि वचसि च शुद्धं भवति।
ख. त्यागभावः, सुखदुःखयोः समत्वम्, प्रेमः, सहानुभूतिः, सत्यम्, परहितसम्पानम्, विश्वासः एते मित्रस्य दिव्यगुणाः भवन्ति।
ग. पङ्गोः-अन्धयोः च मैत्री कथा अति प्रसिद्धा।
घ. एकदा ग्रामे अग्निकाण्डः अभवत्।

2. क. उद्यानम् ख. अर्पणस्य मित्रम्
ग. सुदामस्य घ. श्रीरामः

3. क. अर्पणः ख. मित्रम् ग. पङ्गुः

4.

हस्	+	तुमुन्	=	हसितुम्	कृ	+	तुमुन्	=	कर्तुम्
पा	+	तुमुन्	=	पातुम्	प्रच्छ्	+	तुमुन्	=	प्रष्टुम्
खाद्	+	तुमुन्	=	खादितुम्	दृश्	+	तुमुन्	=	द्रष्टुम्

5.

	शब्दः		**मूलशब्दः**	**विभक्तिः**	**वचनम्**
क.	मित्रतायाः	=	**मित्रम्**	**षष्ठी**	**एकवचनम्**
ख.	गुणान्	=	**गुणः**	**द्वितीया**	**बहुवचनम्**
ग.	ग्रामात्	=	**ग्रामः**	**पंचमी**	**एकवचनम्**
घ.	मित्रे	=	**मित्रम्**	**सप्तमी**	**एकवचनम्**

6. क. अर्पणः उद्यानं गच्छतु। ख. भवान् रामेण सह वदतु।
ग. त्वं कथां कथय। घ. अहं ग्रामं गच्छनि।

क्रियात्मकं कार्यम्
विद्यार्थी स्वयं करें।

19 ऋतुराजः वसन्तः

अभ्यासकार्यम्

1. क. वसन्तऋतुः सर्वेषु ऋतुष, सर्वश्रेष्ठः अस्ति, अतएव एषः ऋतुराजः कथ्यते।
ख. वसन्तऋतौ प्रकृतेः सौन्दर्यं दृष्ट्वा चित्तं प्रसीदति।
ग. 'होली' इति उत्सवे जनाः अन्योन्यस्य उपरि रङ्गानि प्रक्षिपन्ति प्रमुदिताः भूत्वा च गायन्ति नृत्यन्ति च।

2. क. सुखदः। ख. रमणीया। ग. षट्।
घ. वसन्त ऋतौ। ङ. होली।

3. क. सुखदः ख. पिकाः ग. होली

4. क. अशुद्धम्। ख. शुद्धम्। ग. अशुद्धम्।
घ. अशुद्धम्। ङ. अशुद्धम्।

5.

क.	उत्तरायणः	(v)	**दक्षिणायणः**
ख.	शैत्यम्	(iv)	**उष्णत्वम्**
ग.	बालः	(ii)	**वृद्धः**
घ.	गच्छति	(i)	**आगच्छति**

ङ. इत: **(iii) तत:**

6. क. पुष्पेषु के गुञ्जन्ति?
ख. क: पुष्पानां सौरभम् आवहति?
ग. सर्वत्र कस्य वातावरणम् अस्ति?
घ. भारते कति ऋतव: भवन्ति?

7.

प्रथमा	ऋतु:	**ऋतू**	**ऋतव:**
द्वितीया	गुरुम्	गुरू	**गुरुन्**
तृतीया	साधुना	**साधुभ्याम्**	**साधुभि:**
चतुर्थी	शिशवे	**शिशुभ्याम्**	शिशुभ्य:
पञ्चमी	साधो:	साधुभ्याम्	**साधुभ्य:**
षष्ठी	शिशो:	शिशवो:	**शिशूनाम्**
सप्तमी	गुरौ	गुर्वो:	**गुरुषु**
सम्बोधनम्	हे साधो!	**हे साधू!**	**हे साधव:!**

क्रियात्मकं कार्यम्
विद्यार्थी स्वयं करें।

20 नील: शृगाल:

अभ्यासकार्यम्

1. क. शृगाल: कस्मिंश्चिद् वने वसति स्म।
ख. रजकस्य गृहे स: एकस्मिन् नीलरसपूणे पात्रे अपतत्।
ग. शृगालस्य सुन्दरं वर्णं दृष्ट्वा वचनं च श्रुत्वा पशव: तं नमस्कारं कृतवन्त:। तस्य आदेशेन च वने भ्रमणं भोजनादिकं च कर्तुमारब्धवन्त:।
घ. शृगालवृन्दस्य वचनं श्रुत्वा स: अपि उत्थाय उच्चस्वेरण शब्दं कर्तुमारभत।

2. क. क्षुधापीड़ित: स: कं प्रति अगच्छत्?
ख. केभ्य: भीत: स: वेगेन अधावत्?
ग. कान् दृष्ट्वा स: प्रसन्न: अभवत्?
घ. शृगाल: वने किं कर्तुम् आरब्धवान्?
ङ. किं श्रुत्वा पशव: आश्चर्यचकिता: अभवन्?

3. क. कुक्कुर: **जले** अपतत्।
ख. कुत्रापि **जनानां** कलह: न भवेत्।
ग. बहवो जना: ग्रामेषु बहवो च **नगरेषु** वसन्ति।
घ. वन्यपशव: **वने** भ्रमन्ति।
ङ. अहं **राजपदे** नियुक्त: अस्मि।

4. क. कुक्कुर: मार्जारं प्रति अधावन्।
ख. लोमशा कस्यचित् रजकस्य गृहं प्राविशत्।
ग. शृगाला: अपि अन्यत्र अगच्छन्।
घ. अद्यप्रभृति अहं युष्माकं सेनापति अस्मि।
ङ. एकदा स: सिंहवृन्दस्य कोलाहलम् अशृणोत्।

5. क. एकस्मिन् वने एक: शृगाल: वसति स्म।
ख. नीलरसपात्रे पतनात् स: अकथयत्— ''अहं युष्माकं राजा अस्मि''।
ग. सर्वे सिंहादय: तं नमस्कारं कृतवन्त:।
घ. तेन विस्मृतं यत् स: वस्तुत: शृगाल: एव।
ङ. सोऽपि उत्थाय उच्चस्वरेण शब्दं कर्तुमारभत।
च. तस्य शब्दं श्रुत्वा वन्यपशव: ज्ञातवन्त: यत् अयं शृगाल: एव।
छ. अहो, अनेन शृगालेन वयं वञ्चिता:।
ज. व्याघ्र: तं वञ्चकं शृगालं व्यापादयामास।

6. क. एकस्मिन् **(ii) दिने**
ख. स: **(iv) वदति**
ग. अहम् **(ix) अस्मि**
घ. सुन्दरम् **(viii) वर्णम्**
ङ. शृगाल: **(i) भोजनाय**
च. युष्माकम् **(vi) राजा**
छ. भगवत्या **(iii) वनदेव्या**
ज. पुलकित: **(vii) अभवत्**
झ. सर्वे **(v) पशव:**

7.

विभक्ति:		**एकवचनम्**	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
क. शृगाल: (द्वितीया)	=	**शृगालम्**	**शृगालौ**	**शृगालान्**
ख. पशु: (तृतीया)	=	**पशुना**	**पशुभ्याम्**	**पशुभि:**
ग. राजन् (प्रथमा)	=	**राजा**	**राजानौ**	**राजान:**
घ. वनम् (षष्ठी)	=	**वनस्य**	**वनयो:**	**वनानाम्**
ङ. सुन्दरम् (सप्तमी)	=	**सुन्दरे**	**सुन्दरयो:**	**सुन्दरेषु**
च. शब्द: (चतुर्थी)	=	**शब्दाय**	**शब्दाभ्याम्**	**शब्देभ्य:**

क्रियात्मकं कार्यम्
विद्यार्थी स्वयं करें।

21 दीपावली

अभ्यासकार्यम्

1. क. दशरथ: अयोध्याया: राजा आसीत्।
ख. लङ्काधिपति: राजा रावण: सीताम् अपाहरत्।
ग. जना: अस्मिन् अवसरे गृहाणि सुधया लिम्पन्ति। ते गृहाणि चित्रै: सज्जीकुर्वन्ति। नवीनानि वस्त्राणि धारयन्ति रात्रौ च लक्ष्मीपूजनं कुर्वन्ति।
घ. दीपावली उत्सव: कार्तिकमासस्य कृष्ण पक्षस्य अमावस्याया: दिवसे मान्यते।
ङ. दीपावली उत्सव: सत्यस्य असत्यस्योपरि विजयस्य प्रतीक: अस्ति।

2. क. भारतवर्ष: **पर्वणां** देश: अस्ति।
ख. अत्र प्रतिवर्षम् अनेके **उत्सवा:** मान्यन्ते।
ग. केचन राष्ट्रिया: **उत्सवा:** सन्ति।
घ. अयोध्याया: राजा **दशरथ:** अस्ति।
ङ. ते निजगृहाणि दीपै: **अलङ्करणैश्च** सुशोभितवन्त:।
च. बालका: **चाकचिक्यानि** दहन्ति।

3. क. पर्वणां देश: ख. षष्ठी ग. रावणम्

4. क. यहाँ प्रतिवर्ष अनेक उत्सव मनाए जाते हैं।
ख. यह उत्सव कार्तिकमास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या के दिन मनाया जाता है।
ग. सुना जाता है कि प्राचीन काल में अयोध्या के राजा दशरथ थे।
घ. उनके पुत्र श्रीराम चौदहवर्ष तक वन में रहे।
ङ. लंकाधिपति रावण ने श्रीराम की पत्नी सीता को हर लिया।
च. श्रीराम ने रावण को मारा।
छ. लोग रात को लक्ष्मी-पूजन करते हैं।

5. क. दीपावली कार्तिकमासस्य अमावस्यायां मान्यते।
ख. अयं हिन्दूनाम् उत्सव: अस्ति।
ग. अस्मिन्नेव दिने श्रीराम: अयोध्यां प्रत्यागच्छत्।
घ. दीपावल्या: पूर्वं जना: स्वगृहाणि साधुतया सज्जी कुर्वन्ति।
ङ. जना: अस्मिन् दिने नूतन नूतन वस्त्राणि धारयन्ति।
च. ते रात्रौ लक्ष्म्या: पूजां कुर्वन्ति।
छ. वस्तुत: दीपावल्या: उत्सव: सत्यस्य असत्यस्योपरि विजयस्य प्रतीक: अस्ति।

6. क. एषूत्सवेषु = **एषु** + **उत्सवेषु**
ख. प्रमुखोत्सव: = **प्रमुख** + **उत्सव:**
ग. वनेऽवसत् = **वने** + **अवसत्**
घ. लंकाधिपति: = **लंका** + **अधिपति:**

7. क. लंकाधिपति: = **लंकाया: अधिपति: षष्ठी तत्पुरुष: समास:**
ख. प्रतिवर्षम् = **प्रत्येकं वर्षम् अव्ययीभाव समास:**
ग. अयोध्यावासिन: = **अयोध्याया: वासिन: षष्ठी तत्पुरुष: समास:**
घ. लक्ष्मीपूजनम् = **लक्ष्म्या: पूजनम् षष्ठी तत्पुरुष: समास:**

8. क. (✓) ख. (✓) ग. (✗) घ. (✓)

9. क. **सिंह: मृगस्य** पृष्ठे धावति।
ख. **छात्रा:** विद्यालयं गच्छन्ति।
ग. **सरोवरे** कमलं विकसति।
घ. **शुका: आकाशे** उत्पतन्ति

क्रियात्मकं कार्यम्
विद्यार्थी स्वयं करें।

22 व्याकरणम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

संस्कृत सोपानम्-8

1 सरस्वती वन्दना

अभ्यासकार्यम्

1. क. सरस्वत्यै भद्रकाल्यै च नमोनम:
   ख. भक्त: वेदवेदांत, वेदाङ्गा, विद्यास्थानेभ्य: च नमति।
   ग. सरस्वती कमललोचने कामरूपिणि च।
   घ. विशालाक्षि विद्यां देहि?
   ङ. वयं कुकार्याणि त्यजाम।
2. क. सरस्वति **नमस्तुभ्यं वरदे कामरूपिणि**।
   विद्यारम्भं करोम्यहं सिद्धिर्भवतु मे सदा।।
   ख. दुर्गुणान् **हर अस्माकं सदगुणान् यच्छ हे शारदे**।
   आचराम सुकार्याणि **कुकार्याणि** त्यजाम च।।
3.

विशालाक्षि	=	**विशाल**	+	**अक्षि**
कमललोचने	=	**कमल**	+	**लोचने**
विद्यारम्भम्	=	**विद्या**	+	**आरम्भ्**
सद्गुणान्	=	**सद्**	+	**गुणवान्**
कुकार्याणि	=	**कु**	+	**कार्याणि**

4. क. सरस्वती को नित्य नमस्कार है। भद्रकाली को नमस्कार है तथा वेद, वेदांत, वेदांग एवं विद्याओं के स्थानों को प्रणाम है।
   ख. हे वरदान देने वाली स्वेच्छा से रूप धारण करने वाली सरस्वति! मैं तुम्हें नमस्कार करता हूँ। मैं विद्यारंभ करने जा रहा हूँ। मुझे सदा सफलता प्राप्त हो।
   ग. हे सरस्वती (माँ) हमारे दुर्गुणों को दूर करो, अच्छे गुणों को दो। हम अच्छे कार्यों को करें और बुरे कार्यों को छोड़ें।
5.

क.	नित्यम्	=	रवि: **नित्यम्** स्वच्छ एवं पौष्टिक भोजनं करोति।
ख.	च	=	राम श्याम पवन **च** मित्रम आसीत्।
ग.	सरस्वती	=	**सरस्वतीम्** शारदा अपि कथ्यते।
घ.	विद्या	=	विद्याविनियम् ददाति।
ङ.	करोमि	=	अहं जेतुम् अभ्यासम् करोमि।
च.	त्यजाम	=	वयं रात्रीभोजनम् त्यजाम्।

6.	नित्यम्	=	**प्रतिदिनम्**	विद्या	=	**ज्ञानमं**
	नम:	=	**नमाम्:**	च	=	**एवं**
	सरस्वती	=	**शारदा**	कमल	=	**पंकज:**
	लोचने	=	**नेत्रे**	विशाल	=	**विस्तृत:**
7.	देहि	=	**दा**	करोमि	=	**कृ**
	यच्छ	=	**याच्**	त्यजाम	=	**त्यज्**
	नम:	=	**नम्**	हर	=	**हृ**
8.	भद्रकाल्यै	=	**भद्रं**	विद्यास्थानेभ्य:	=	**विद्या**
	महाभागे	=	**महान्**	कमललोचने	=	**कमलम्**
	विशालाक्षि	=	**विशाल**	सद्गुणान्	=	**सद्**

2 अस्माकं देशः

अभ्यासकार्यम्

1. क. ये जना: भारतवर्षे निवसन्ति ते सर्वे भारतीया: सन्ति।
   ख. अस्माकं देशस्य नाम भारत वर्षम् अस्ति।
   ग. 'हिन्दू' इति नाम्ना प्रसिद्धा: जना: एव अत्रत्या: मूल निवासिन: सन्ति।
   घ. भरतस्य नाम्ना अस्माकं देशस्य नाम 'भारतवर्षम्' इति।
   ङ. अस्माकं देशस्य उत्तरभागे देवतात्मा हिमालय: नगाधिराज: विराजते। तेन न केवलं अस्माकं देशस्य गौरवम् अस्ति, अपितु वैदेशिकानां आक्रमणेन अपि देश: संरक्षित: अस्ति। दीर्घकालात् यावदसौ पर्वत: प्रहरीव स्थित: भारतवर्षस्य रक्षां करोति।
   च. भारते षड्भि: ऋतव: भवन्ति।
2. क. अस्मिन् देशे सप्तनद्य: **प्रवहन्ति**।
   ख. अस्माकं देशस्य नाम **भारतवर्षम्** अस्ति।
   ग. अस्माकं देशस्य उत्तरभागे **हिमालय:** विराजते।
   घ. भारत देश: संसारस्य **गुरू:** अपि उच्यते।
   ङ. जननी जन्मभूमिश्च **स्वर्गादपि** गरीयसी।
3.

यावदसौ	=	**यावत् + असौ**
स्वर्गादपि	=	**स्वर्गाद + अपि**
अतोऽयम्	=	**अत: + अयम्**
जन्मभूमिश्च	=	**जन्म + भूमि + च**
देवतात्मा	=	**देव + आत्मा**
अधुनाऽपि	=	**अधुना + अपि**

4.

क.	अस्माकम्	=	**अस्माकम्** विद्यालय: विस्तृत: अस्ति।
ख.	अत्र	=	**अत्र** बहव: वृक्षा: सन्ति।
ग.	जननी	=	वसुन्धरा एव मम **जननी** अस्ति।
घ.	यथा	=	**यथा** राजा तथा प्रजा।

5. क. अस्माकं देशस्य नाम भारतवर्षम् अस्ति।
   ख. अत्र सर्वे जना: भारतीया: सन्ति।
   ग. देवता: अपि अत्र जन्म वाञ्छन्ति।
   घ. भारतस्य धारित्रि महापुरुषाणांम् महापुरुषाणां जननी अस्ति।
6. क. यहाँ त्यागी, दानी, और परोपकारी महापुरुष हुए हैं।
   ख. शिवराज, भगतसिंह, महाराणा प्रताप इत्यादि हमारे देश के ही वीर थे।
   ग. हमारे देश में सात नदियाँ बहती हैं।
   घ. माता और जन्म भूमि स्वर्ग से भी बढ़कर हैं।

क्रियात्मकं कार्यम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

3 भारतीया संस्कृतिः

अभ्यासकार्यम्

1. क. भारतीया संस्कृति: स्वकीयै: अद्भुतै: गुणै: विश्वे लब्धप्रतिष्ठा वर्तते।
   ख. अधुना अस्माकं देशे हिन्दव:, मुस्लिमा:, सिक्खा:, पारसीका:, जैना:, बौद्धा: क्राइस्टा: च निवसन्ति।
   ग. हिन्दव: श्रुतिषु स्मृतिषु च विश्वसन्ति मन्दिरेषु च ईशस्तुतिं कुर्वन्ति।
   घ. जैना: जैनमन्दिरेषु चतुर्विंशति: तीर्थंकरान् स्तुवन्ति।
   ङ. भारतीयसंस्कृतौ विविध धर्माणां सम्मतय:, महापुरुषाणां जीवनपद्धतय:, अनेकेषां ग्रन्थानां सूक्तय: अनेका: नीतय: च समाविष्टा: सन्ति।
2. क. भारतस्य प्रतिष्ठा कुत्र वर्तते?
   ख. इयं संस्कृति: कान् आश्चर्यचकितान् करोति?
   ग. बौद्धा: कुत्र भगवन्तं बुद्धं ध्यायन्ति?
   घ. सिक्खा: गुरुद्वारेषु कान् पूजयन्ति?
   ङ. कस्यां संस्कृतौ महापुरुषाणां जीवनपद्धतय: समाविष्टा: सन्ति?
3. क. वैविध्यमयी   ख. आर्यजनै:   ग. भारतीया संस्कृति:   घ. कुरानम्   ङ. बहाई
4.

	एकवचनम्	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
मति (प्रथमा)	मति:	मती	मतय:
रति (प्रथमा)	**रति:**	**रती**	रतय:
श्रुति (द्वितीया)	श्रुतिम्	श्रुती	श्रुती:
धृति (द्वितीया)	धृतिम्	**धृती**	**धृती:**
कृति (तृतीया)	कृत्या	कृतिभ्याम्	कृतिभि:
स्तुति (तृतीया)	**स्तुत्या**	स्तुतिभ्याम्	**स्तुतिभि:**
बुद्धि (चतुर्थी)	बुद्धै/बुद्धये	बुद्धिभ्याम्	बुद्धिभ्य:
शुद्धि (चतुर्थी)	**शुद्धै/शुद्धये**	**शुद्धिभ्याम्**	शुद्धिभ्य:

5.

क.	वैविध्यमयी	—	भारतीया संस्कृति: खलु **वैविध्यमयी** अस्ति।
ख.	प्रवर्तिता	—	इयं संस्कृति: आर्यजनै: **प्रवर्तिता**।
ग.	पूजापद्धतय:	—	भारतदेशे विभिन्न: **पूजापद्धतय:** सन्ति।
घ.	ध्यायन्ति	—	बौद्ध: मठेषु भगवन्तं बुद्धं **ध्यायन्ति**।

ङ. समाविष्टा: — भारतीय संस्कृतौ अनेका: सूक्तय: नीतयश्च **समाविष्टा:** सन्ति।

6. क. यथा + उक्तम् **यथोक्तम्**
ख. धर्म + अवलम्बिभि: **धर्मावलम्बिभि:**
ग. सर्वै: + एव **सर्वैव**
घ. काल + अन्तरे **कालान्तरे**
ङ. यथा + उद्यानम् **यथोद्यानम्**
च. च + अपि **चापि**

7. क. भारतीया संस्कृति: महान् अस्ति।
ख. भारतवर्षस्य प्राचीनं नाम आर्यावर्त आसीत्।
ग. भारतवर्षे सर्वधर्माणां जना: सहैव वसन्ति।
घ. अत्र अनेका: भाषा: उच्चार्यन्ते।
ङ. अत्र अनेके महापुरुषा: जन्म अलभन्त।

क्रियात्मकं कार्यम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

4 विचित्रं जगत्

अभ्यासकार्यम्

1. क. वयं जन्तुशालायां जन्तूनां विचित्रतां प्रत्यक्षम् अनुभविष्याम:।
ख. जलजीवनविषये इदं ज्ञातुं वैज्ञानिकानाम् औत्सुक्यं वर्तते यत् ते कथं जलेषु निवसन्ति कथं च स्वसन्ततिं पालयन्ति।
ग. अस्मिन् संसारे मानवा:, मृगा:, कीटा:, खगा:, वृक्षा:, पादपा: च सर्वे अन्योन्याश्रिता:।
घ. पादपानाम् वृक्षाणाम् कुसुमानां वैभवं वैचित्रयं च दृष्टिपथम् आगमिष्यति।
ङ. भयावहा: सिंहा:, चित्रका: व्याघ्रा: च भयम् उत्पादयन्ति।

2. अ. क. पृथिव्या: भागद्वयम् जलं **वर्तते**।
ख. जलवासिन: जन्तव: कथं सन्ततिं **पालयन्ति**?
ग. अस्मिन् जगति विविधा: प्राणिन: **निवसन्ति**।
घ. यदि भवान् जन्तुशालां ...... तर्हि प्राणिनां विविधतां प्रत्यक्षम् **अनुभविष्यति**।
ङ. सौम्या: पक्षिण: चित्तं **हरन्ति**।
ब. क. केचित् **जन्तव:** ह्स्वाकारा: सन्ति।
ख. भवान् **जन्तूनाम्** वैचित्र्यम् अनुभविष्यति।
ग. केचित् जीवा: सघनेषु **वनेषु** वसन्ति।
घ. अत: **सर्वेषाम्** समं महत्वम् अस्ति।
ङ. जन्तुशालायां वयं **विविधान्** पशून् पश्याम:।

3. क. विशालम् ख. जलम् ग. रमणीया

4. क. रम्यम्। ख. प्राणिन:। ग. सौम्या:।
घ. पृथिव्या:। ङ. अद्भुतम्। च. रमणीया।
छ. सन्ततिम्।

5. अ. क. क्वचित् **सघनानि** वनानि, क्वचित् **विस्तृतं** मरुस्थलम्।
ख. क्वचित् **शीतला** छाया, क्वचित् **प्रचण्ड:** आतप:।
ग. **रमणीया** हि सृष्टि: एषा।
ब. **इयं** विविधता; **इदं** जगत्; **अयं** संसार:; **अस्मिन्** संसारे; **अस्यां** रचनायाम्।

6. क. इदं जगत् अति विशालम् अस्ति।
ख. अहं स्वजनकेन सह जन्तुशालां द्रष्टुं गमिष्यामि।
ग. वृक्षे वानर: उपविष्ट: अस्ति।
घ. गज: शनै: चलति।
ङ. शशक: मृगाश्च तीव्रं धावत:।
च. सिंह: वनस्य राजा भवति।
छ. चटका: उड्डयन्ति।

क्रियात्मकं कार्यम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

5 मुनिः मूषकश्च

अभ्यासकार्यम्

1. क. मुनि: वने स्वाश्रमे तप: करोति स्म।
ख. मुनि: मूषकस्य चिकित्सा कृत्वा पालनमकरोत्।
ग. मुनि: बिडालं कुक्कुरे अत: परिवर्तितवान् यतोहि स: कुक्कुरात् भीत्वा मुने: समीपम् अधावत्।
घ. व्याघ्र: अचिन्तयत् यत् यावत् अयं मुनि: जीवति तावत् सर्वे जना: मम विषये एवमेव वदिष्यन्ति। एतेन मम अपकीर्ति: भवति। मुने: कारणात् जना: मम मूलं रूपं स्मरन्ति। यदि अहं मुनिं खादामि तर्हि कोऽपि मम मूलरूपं न बोधिष्यति।
ङ. मुनि: व्याघ्रस्य भावं ज्ञात्वा 'पुनर्मूषको भव' इति शापं दत्तवान्। परिणामत: व्याघ्र: पुन: मूषकरूपेण परिवर्तित:।

2. क. स: वने **स्वाश्रमं** निर्माय तप: करोति स्म।
ख. मुनि: **मूषकं** बिडालमकरोत्।
ग. इदानीं स: **कुक्कुर:** निर्भयेन यत्र तत्र भ्रमति स्म।
घ. मुनि: पुन: **मूषकोभव** इति शापं दत्तवान्।
ङ. व्याघ्र: पुन: **मूषकरूपेण** परिवर्तित:।

3. क. मूषकशावकम् ख. बिडालरूपे ग. व्याघ्रम्

4. क. निर्माय = वृक्षशाखायां चटका गृहं **निर्माय** वसति।
ख. कृत्वा = एतत् कार्यं पूर्णं **कृत्वा** एव भोजनं करणीयम्।
ग. विज्ञाय = सर्वं वृत्तान्तं विज्ञाय श्रीकृष्ण: हस्तिनापुरं प्रति प्राचलत्।
घ. धावित्वा = शशक: **धावित्वा** बिले प्रविशत्।
ङ. ज्ञात्वा = उत्तर **ज्ञात्वा** रोहन: आचार्य समीपम् अगच्छत्।
च. विचिन्त्य = किञ्चिद् **विचिन्त्य** वैभव: देवस्य सहायताम् अकरोत्।

5. क. पालनमकरोत् = **पालनम्+अकरोत्**
ख. मूषकमिव = **मूषकम्+इव**
ग. बिडालमकरोत् = **बिडालम्+अकरोत्**
घ. पुनर्मूषको = **पुन:+मूषको**
ङ. समीपमागच्छत् = **समीपम्+आगच्छत्**

6. क. मुनय: सरलस्वभावस्य: भवन्ति।
ख. आश्रमस्य समीपम् एका नदी वहति।
ग. बिडालं दृष्ट्वा मूषक: अविभ्यत्।
घ. मुनि: मूषकं विडाले परिवर्तयत्।
ङ. व्याघ्र: तस्य मुने: उपरिएव आक्रमणम् अकरोत्।

7. क. उस आश्रम में बहुतसे मुनि निवास करते थे।
ख. वन में पेड़ भी होते हैं।
ग. आश्रम का वातावरण शांत और शुद्ध था।
घ. वृक्षों पर पक्षी रहते हैं।
ङ. मुनि फल खाते हैं और तपस्या करते हैं।

क्रियात्मकं कार्यम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

6 गणतन्त्र दिवसः

अभ्यासकार्यम्

1. क. अस्मिन् दिने प्रात:काले विभिन्नानां विद्यालयानां छात्रा: छात्राश्च राष्ट्रियध्वजं स्वीकृत्य नगर-परिक्रमां कुर्वन्ति। विविधघोषवाक्यानि घोषयन्ति। सर्वकारीयसंस्थासु, अन्यसंस्थासु, राज्यस्य विधानसभासु सार्वजनिकस्थलेषु च ध्वजारोहणस्य कार्यक्रम: भवति। अन्ते सर्वे मिष्टान्नं खादन्ति।
ख. सर्वत्र आनन्दस्य उल्लासस्य च वातावरणं भवति।
ग. 1946 तमे वर्षे दिसम्बर मासस्य 9 दिनाङ्के संविधानसभाया: प्रथमा गोष्ठी आयोजिता।
घ. 1950 तमे वर्षे जनवरीमासस्य 26 दिनाङ्के संविधानम् अङ्गीकृतम्।
ङ. अस्माकं संविधानं (भारतस्य स्वरूपं) सम्पूर्णप्रभुत्वसम्पन्नं, पन्थनिरपेक्ष-लोकतान्त्रिक-गणराज्यस्य स्वरूपं देशस्य कृते प्रददाति।

2. क. तदा प्रभृति: अयं दिवस: **राष्ट्रिउत्सवरूपेण** सम्पूर्णेऽपि भारते **उल्लासेन** आचर्यते।
ख. सर्वत्र **आनन्दस्य उल्लासस्य** च वातावरणं भवति।
ग. **1949** तमे वर्षे **नवम्बरमासस्य षड् विंशति दिनाङ्के** संविधानस्य निर्माणं जातम्।

घ. अस्माकं संविधानं विश्वस्य **विशालं** संविधानमस्ति।
ङ. इदानीं पर्यन्तं **अशीति** संशोधनानि जातानि।

3. क. आङ्लशासनात् ख. सांस्कृतिक कार्यक्रमा: ग. विशालम्

4.

दिवस:	=	**रात्रि:**	पश्चात्	=	**प्राक्**
प्रात:काले	=	**सायंकाले**	मित्रम्	=	**शत्रु:**
व्यवस्था	=	**अव्यवस्था**	अधिकारा:	=	**अधिकारा:**

5.

शब्द:		**विभक्ति:**	**एकवचनम्**	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
दिवस:	=	**द्वितीया**	**दिवसम्**	**दिवसौ**	**दिवसान्**
शासनम्	=	**प्रथम**	**शासनम्**	**शासने**	**शासनानि**
सभा	=	**तृतीया**	**सभया**	**सभाभ्याम्**	**सभाभि:**
गीतम्	=	**षष्ठी**	**गीतस्य**	**गीतयो:**	**गीतानाम**
स्थानम्	=	**सप्तमी**	**स्थाने**	**स्थानयो:**	**स्थानाम**
अनुच्छेद:	=	**प्रथम**	**अनुच्छेद:**	**अनुच्छेदौ**	**अनुच्छेदा:**
सम्बोधनम्	=	**द्वितीया**	**सम्बोधनम्**	**सम्बोधने**	**सम्बोधनानि**

6. क. किमर्थम् = त्वं देहलीं प्रति **किमर्थं** गच्छसि?
ख. प्रभृति: = अद्य **प्रभृति:** अहं सर्वाणि कार्याणि समयेन करिष्यामि।
ग. ध्वज: = अस्माकं राष्ट्रस्य **ध्वज:** त्रिरङ्गा: अस्ति।
घ. अध्यक्ष: = अस्या: सभाया: **अध्यक्ष:** अस्माकं प्रधानाचार्य: आसीत्।
ङ. गणराज्यम् = भारतदेश: **गणराज्यम्** अस्ति।
च. संविधानम् = भारतदेशस्य **संविधानं** विशालम् अस्ति।

7. क. यह दिवस राष्ट्रीय उत्सव के रूप में संपूर्ण भारत में मनाया जाता है।
ख. सभी जगह आनंद और उल्लास का वातावरण होता है।
ग. डॉ० राजेंद्र प्रसाद इस संविधान सभा के अध्यक्ष थे।
घ. हमारा संविधान विश्व का विशाल संविधान है।
ङ. अब तक अस्सी (80) संशोधन हो चुके हैं।

क्रियात्मकं कार्यम्
विद्यार्थी स्वयं करें।

7 सुभाषितानि

अभ्यासकार्यम्

1. क. दिवसे तथा करणीयं येन रात्रौ सुखेन तिष्ठेत् तथैव युवावस्थायां तादृशानि कार्याणि करणीयानि येन वृद्धत्वे सुखी भवेत्।
ख. परोक्षे कार्यहन्तारं प्रत्यक्षे प्रियवादिनं च तादृशं मित्रं वर्जयेत।
ग. कार्याणि उद्यमेन सिध्यन्ति।
घ. विचक्षणा: वर्तमान काले वर्तयन्ति।
ङ. यत्र धनिक: श्रोत्रियो, राजा, नदी, वैद्यश्च न भवेयु: तत्र वासं न कारयेत्।
च. सर्पस्तु काले दशति परं दुर्जन: पदे पदे।

2. क. उद्यमेन **हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथै:**।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगा:।।
ख. परोक्षे **कार्यहन्तारं प्रत्यक्षे प्रियवादिनम्**।
वर्जयेत्तादृशं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम्।।
ग. गते **शोको न कर्तव्यो भविष्यं नैव** चिन्तयेत्।
वर्तमानेन कालेन वर्तयन्ति विचक्षणा:।।

3. क. सप्तमी ख. बहुवचनम् ग. बूढ़ा

4. क. चलति = गज: शनै: शनै: **चलति**।
ख. वसेत् = यत्र सज्जना: न भवेयु: तत्र न **वसेत्**।
ग. वर्तयन्ति = सज्जना: सर्वै: सह सुमधुरं **वर्तयन्ति**।
घ. कुर्यात् = कदापि असत्यभाषणां न **कुर्यात्**।
ङ. दशति = सर्प: कालेन **दशति** परं खल: पदे पदे।

5. क. सुप्तस्य (vi) **सिंहस्य**
ख. वृद्ध: (vii) **सुखी भवेत्**
ग. सर्प: (v) **दशति कालेन**
घ. वर्तयन्ति (ii) **विचक्षणा:**
ङ. गते (iii) **शोको न कर्त्तव्य:**
च. उद्यमेन (i) **हि सिध्यन्ति**
छ. क्रूरतर: (iv) **खल:**

6. क. मधुरं फलं **परिश्रमेण** मिलति।
ख. तत्र वास: न कार्य: यत्र **पर्यावरणं** दूषितं भवेत्।
ग. परोक्षे **निन्दकं** मित्रं वर्जयेत्।
घ. सर्वेषु **पक्षिषु** गृद्ध: क्रूर: भवति।
ङ. कार्याणि **दिवसे** एवं पूरणीयानि।

7. क. मृगा: कुत्र न प्रविशन्ति?
ख. यत्र न क: तत्र वासं न कारयेत्?
ग. कार्याणि कथं न सिध्यन्ति?
घ. कदा शोको न कर्तव्य:?
ङ. दुर्जन: कदा दशति?

8.

दिवस:	=	**वासर:**	रात्रि:	=	**निशा**
उद्यम:	=	**परिश्रम:**	मृग:	=	**पशु:**
राजा	=	**नृप:**	दुर्जन:	=	**खल:**

क्रियात्मकं कार्यम्
विद्यार्थी स्वयं करें।

8 वृक्षाः हितकारिणः

अभ्यासकार्यम्

1. क. अश्वत्थो नाम्न: वृक्ष: वृक्षेषु अन्यतम: एष: दिवानक्तम् ओषजनं त्यजति। एतस्य त्वक् अपि औषधिरूपेण प्रयुज्यते।
ख. तुलसीपादपानाम् आरोपणेन ताजमहलभवनस्य सौन्दर्यसंरक्षणं क्रियते।
ग. कदली नाम्न: वृक्ष: द्वादशमासपर्यन्तं फलति।
घ. चिकित्साशास्त्रे सर्वोपयोगी वृक्ष: बिल्व वृक्ष: अस्ति।
ङ. आमलकवृक्षस्य अपरं नाम अमृतवृक्ष: अस्ति।

2. क. वृक्षा: फलानाम्, पुष्पाणाम् औषधीनां **च** आगारा: सन्ति।
ख. चिकित्साशास्त्रे बिल्ववृक्ष: **अति** उपयोगी अस्ति।
ग. वृक्षाणां शोभा पुष्प-पत्र-फलै: **एव** भवति।
घ. यदि वयं फलानि खादाम: **तु** स्वस्था: भवाम:।
ङ. जना: कदलीवृक्षस्य **पक्वानि अपक्वानि वा** फलानि खादन्ति।

3. क. वृक्ष: (ii) **द्रुम:**
ख. आगारा: (i) **कोशा:**
ग. पत्रम् (iii) **पर्णम्**
घ. क्षमता (v) **शक्ति:**
ङ. पुष्पम् (iv) **कुसुमम्**

4. क. वृक्षा:। ख. पर्यावरणस्य। ग. अश्वत्थ वृक्ष:।
घ. त्वक्भाग:। ङ. तुलसीपादपम्।

5. क. जना: कस्य पक्वानि अपक्वानि वा फलानि खादन्ति।
ख. बिल्वस्य फलानि कान् रोगान् उपशामयन्ति?
ग. आमलकफलानां सेवनेन किं वर्धते?
घ. वृक्षा: केषाम् आगारा: सन्ति?

क्रियात्मकं कार्यम्
विद्यार्थी स्वयं करें।

9 सर्पमण्डूकयोः कथा

अभ्यासकार्यम्

1. क. दुर्मुख: सर्प: अति जीर्णतया आहारम् अन्वेषणे अपि असमर्थ: आसीत्।
ख. मण्डूक: सर्पं पृच्छति यत्—किमिति अद्य त्वम् आहारं नान्विष्यसि।
ग. चंद्रदेव नाम स्व पुत्रं मृतम् अवलोक्य मूर्च्छित: कौण्डिन्य: पृथिव्यां लुलोट।
घ. ''अरे कौण्डिन्य! मूढोऽसि तेन एवं प्रलपसि विलपसि च। शृणु, यथा महोदधौ काष्ठं च काष्ठं समेयाताम् समेत्य च व्यपेयाताम् तद्वद् भूतसमागम:। तथा पञ्चभि: निर्मिते देहे पुन: पञ्चतत्वं गते का परिवेदना! तद् भद्र! आत्मानम् अनुसन्धेहि, शोकचर्चा च परिहर'' इति।
ङ. मण्डूकराज: सर्पमाह यत् अस्मदाज्ञया भेकान् भक्षम।
च. शत्रौ कदापि न विश्वसितव्यम्।

2. क. आसीत् **जीर्णोद्याने दुर्मुखो** नाम्न: सर्प:।
खं. गच्छ भद्र! मम **मन्दभाग्यस्यप्रश्नेन** किं तव?
ग. यथा महोदधौ **काष्ठं** च काष्ठं **समेयातां** समेत्य च व्यपेयाताम् तद्वद् भूत समागम:।
घ. अथो **ब्राह्मणशापाद्** मण्डूकान् वोढुं तिष्ठामि।
ङ. तत: असो मण्डूकराज: **सर्पस्य** पृष्ठम् **आरूढवान्।**
च. ''अस्मदाज्ञया **भेकान्** भक्षय''। ''ततो गृहीतोऽयं **महाप्रसाद:**'' इति उक्त्वा क्रमशो मण्डूकान् खादितवान्।

3. क. तुमुन् ख. तत्र ग. आत्मनेपदी

4.

क.	स:	+	अपि	=	**सोऽपि**
ख.	दु:	+	दैवात्	=	**दुर्दैवात**
ग.	तत्र	+	आगत्य	=	**तत्रागत्य**
घ.	सर:	+	तीरे	=	**सरस्तीरे**
ङ.	भुजङ्ग:	+	अवदत्	=	**भुजङ्गोऽवदत**
च.	य:	+	तिष्ठति	=	**यस्तिष्ठति**

5.

क.	नान्विष्यसि	=	**न+अन्विष्यसि**
ख.	वनेऽपि	=	**वने+अपि**
ग.	महोदधौ	=	**महा+उदधौ**
घ.	ततोऽसौ	=	**तत:+असौ**
ङ.	दूरादेव	=	**दूरात्+एव**
च.	किमिति	=	**किम्+इति**

6.

	पदम्		**लिङ्गम्**	**विभक्ति:**	**वचनम्**
क.	जीर्णतया	=	**स्त्रीलिङ्गम्**	**तृतीया**	**एकवचनम्**
ख.	रागिणाम्	=	**पुंल्लिङ्गम्**	**षष्ठी**	**बहुवचनम्**
ग.	बान्धवा:	=	**पुंल्लिङ्गम्**	**प्रथमा**	**बहुवचनम्**
घ.	मण्डूकान्	=	**पुंल्लिङ्गम्**	**द्वितीया**	**बहुवचनम्**
ङ.	रात्रिषु	=	**स्त्रीलिङ्गम्**	**सप्तमी**	**बहुवचनम्**

क्रियात्मकं कार्यम्
विद्यार्थी स्वयं करें।

10 व्यायाम:

अभ्यासकार्यम्

1. क. अस्मिन् संसारे अनेकानि सुखानि सन्ति। तद्यथा पुत्र-सुखम्, पत्नी-सुखम्, धन-सुखम् शरीर-सुखं च।
ख. बालका: सरलं व्यायामं कुर्वन्ति।
ग. व्यायामेन शरीरं नीरोगं भवति। अनेन शरीरे रक्तस्य सञ्चार: सम्यग् भवति। रक्तस्य निर्माणं व्यायामेन भवति। व्यायामेनाङ्गा स्वस्थानि भवन्ति, बुद्धिर्निर्मला भवति, चेत: प्रसादमधिगच्छति। अनेन अस्माकं जठराग्नि: प्रदीप्ता भवति।
घ. स्वास्थ्यं विना किमपि न भवितुमर्हति।
ङ. क्रीडनेन व्यायामो भवति अनुशासनस्य च भावना वर्धते।

2. क. अस्मिन् संसारे अनेकानि **सुखानि** सन्ति।
ख. शरीरसुखम् एतेषु सर्वेषु **श्रेष्ठम्** अस्ति।
ग. स्वास्थ्यं विना सर्वाणि **सुखानि निरर्थकानि** सन्ति।
घ. जना: तस्य आदरं न **कुर्वन्ति।**
ङ. स्वास्थ्यलाभाय जना: **व्यायामं** कुर्वन्ति।
च. युवान: **धावनं** कुर्वन्ति।
छ. क्रीडनेन तेषां **अनुशासनस्य** भावना वर्धते।

3. क. उभावपि ख. व्यायामम् ग. जठराग्नि:

4. क. स्वास्थ्य लाभ के लिए लोग व्यायाम करते हैं।
ख. स्वास्थ्य के बिना सभी सुख निरर्थक है।
ग. स्वस्थ व्यक्ति अपना हित साधता है।
घ. यही उनका श्रेष्ठ व्यायाम है।
ङ. रक्त का निर्माणा: व्यायाम से होता है।
च. व्यायाम से शरीर नीरोग होता है।

5. क. व्यायामस्य अनेके लाभा: सन्ति।
ख. व्यायामेन शरीरं नीरोगं भवति।
ग. व्यायामेन रक्तस्य निर्माणं भवति।
घ. व्यायामेन प्रत्येकम् अङ्गं स्वस्थं भवति।
ङ. अयं तेषां जनानां श्रेष्ठ: व्यायाम: अस्ति।
च. मल्ल: एक: कठिन: व्यायाम: अस्ति।

6. क. अधिगच्छति = अधि उपसर्ग, गम् धातु:, वर्तमान काल: (लट् लकार), प्रथम पुरुष:, एकवचनम्
ख. अङ्गानि = अङ्ग मूलशब्द:, प्रथम विभक्ति:, बहुवचनम्, संज्ञा
ग. कुर्वन्ति = कृ धातु:, वर्तमान काल: (लट् लकार:), प्रथम पुरुष:, बहुवचनम्
घ. चेत: = चेतस् मूल शब्द:, प्रथमा विभक्ति:, एकवचनम्, संज्ञा
ङ. युवान: = युवन् मूलशब्द:, प्रथमा विभक्ति:, बहुवचनम्, संज्ञा
च. वर्धते = वर्ध् धातु:, वर्तमान काल: (लट् लकार:), प्रथम पुरुष:, एकवचनम्

7. क. (✓) ख. (✓) ग. (✓) घ. (✗)
ङ. (✗) च. (✓) छ. (✓) ज. (✓)

8.

नाऽऽद्रियते	=	**न**	+	**आद्रियते**
व्यायामस्याऽनेका:	=	**व्यायामस्य**	+	**अनेका:**
व्यायामेनाङ्गानि	=	**व्यायामेन**	+	**अङ्गानि**
मल्लादिकम्	=	**मलय**	+	**आदिकम्**

9. क. पुत्रसुखम् = **पुत्रस्य सुखम्, षष्ठी तत्पुरुष समास:**
ख. अस्वस्थ: = **न स्वस्थ:, नञ् तत्पुरुष समास:**
ग. स्वास्थ्यलाभ: = **स्वास्थ्याय लाभ:, चतुर्थी तत्पुरुष समास:**
घ. जठराग्नि: = **जठरे अग्नि:, सप्तमी तत्पुरुष समास:**

क्रियात्मकं कार्यम्
विद्यार्थी स्वयं करें।

11 डॉ० राजेन्द्र प्रसाद:

अभ्यासकार्यम्

1. क. डॉ० राजेन्द्रप्रसादस्य जन्म 1884 तमे वर्षे दिसम्बर मासस्य तृतीय दिनाङ्के अभवत्।
ख. इण्ट्रेन्स परीक्षायां राजेन्द्र प्रसाद: प्रथमं स्थानं प्राप्तवान्।
ग. राजेन्द्र महोदय: निष्ठावान्, उत्साही, परिश्रमी, स्वतन्त्रतासङ्ग्राम सेनानी च आसीत्।
घ. डॉ० राजेन्द्र प्रसाद: भारतीय संस्कृते: प्रशंसक: आसीत्।
ङ. डॉ० राजेन्द्रमहोदयस्य जीवनमन्त्रौ सत्यं सरलता च आस्ताम्।

2. क. डॉ० राजेन्द्रप्रसादस्य जन्म **1884** तमे वर्षे दिसम्बर मासस्य तृतीयदिनाङ्के बिहारस्य **सारणमण्डले** 'जीरादेई' ग्रामेऽभवत्।
ख. सर्वे तस्य **योग्यतया विद्वत्तया** च मुग्धा: आसन्।
ग. **स: एम०ए०, एल०एल०बी०** परीक्षयोरपि **सर्वप्रथमं** स्थानं प्राप्तवान्।
घ. महापुरुषाणां जन्म **आत्मसुखाय** न भवति।
ङ. राजेन्द्रप्रसाद: स्वभावेन सरल: **मधुरभाषी च आसीत्।**

3. क. डॉ० राजेन्द्र प्रसाद: ख. अधिवक्तु: ग. उभावपि

4. क. देशरत्न डॉ० राजेंद्र प्रसाद आरंभ से ही बहुत मेधावी थे।
ख. डॉ० राजेंद्र जी के कार्यकाल में देश की उत्तम प्रगति थी।
ग. पढ़ाई समाप्त करके वह शुरू में कोलकाता में उसके बाद पटना शहर में उच्च न्यायालय में वकील बने।
घ. वकीलों में डॉ० राजेंद्र जी की प्रतिष्ठा उत्तम थी।
ङ. महापुरुषों का जीवन आत्मासुख के लिए नहीं होता है।
च. इनका जीवन सभी के लिए अनुकरणीय है।

5. क. डॉ० राजेन्द्रप्रसाद: एक: प्रमुख: स्वतन्त्रता सेनानी आसीत्।
ख. गान्धि महोदयेन सह राजेन्द्रप्रसाद: कारावा समपि अगच्छत्।
ग. महापुरुषाणां जीवनं सरलं विचाराश्च उच्च: भवन्ति।
घ. अध्ययनं समाप्य स: अधिवक्तु: कार्यम् अकरोत्।
ङ. राजेन्द्रप्रसाद: स्वभावेन सरल: मृदुभाषी च आसीत्।
च. स: भारतीयसंस्कृते: प्रशंसक: आसीत्।

6.

अध्यापकोऽपि	=	**अध्यापक:**	+	**अपि**
सत्याग्रहम्	=	**सत्य**	+	**आग्रहम्**
अस्माभिरेव	=	**अस्माभि:**	+	**एव**
किञ्चित्	=	**किम्**	+	**चित्**

स्वागतम्	=	**सु**	+	**आगतम्**
अत्यधिकम्	=	**अति**	+	**अधिकम्**
स्थानमलभत्	=	**स्थानम्**	+	**अलभत्**
परीक्षयोरपि	=	**परीक्षयोः**	+	**अपि**

7. **अधिवक्ता**

शब्दः	**एकवचनम्**	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
प्रथमा	**अधिवक्ता**	**अधिवक्तारौ**	**अधिवक्तारः**
द्वितीया	**अधिवक्तारम्**	**अधिवक्तारौ**	**अधिवक्तॄन्**
तृतीया	**अधिवक्त्रा**	**अधिवक्तृभ्याम्**	**अधिवक्तृभिः**
चतुर्थी	**अधिवक्त्रे**	**अधिवक्तृभ्याम्**	**अधिवक्तृभ्यः**
पञ्चमी	**अधिवक्तुः**	**अधिवक्तृभ्याम्**	**अधिवक्तृभ्यः**
षष्ठी	**अधिवक्तुः**	**अधिवक्त्रोः**	**अधिवक्तॄणाम्**
सप्तमी	**अधिवक्तरि**	**अधिववत्रोः**	**अधिवक्तृषु**
सम्बोधनम्	**हे अधिवक्तः!**	**हे अधिवक्तारौ!**	**हे अधिवक्तारः!**

सेवा

शब्दः	**एकवचनम्**	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
प्रथमा	**सेवा**	**सेवे**	**सेवाः**
द्वितीया	**सेवाम्**	**सेवे**	**सेवाः**
तृतीया	**सेवया**	**सेवाभ्याम्**	**सेवाभिः**
चतुर्थी	**सेवायै**	**सेवाभ्याम्**	**सेवाभ्यः**
पञ्चमी	**सेवायाः**	**सेवाभ्याम्**	**सेवाभ्यः**
षष्ठी	**सेवायाः**	**सेवयोः**	**सेवानाम्**
सप्तमी	**सेवायाम्**	**सेवयोः**	**सेवासु**
सम्बोधनम्	**हे सेवे!**	**हे सेवे!**	**हे सेवाः!**

क्रियात्मकं कार्यम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

12 वीरवरः अब्दुलहमीदः

अभ्यासकार्यम्

1. क. अब्दुल हमीदः 1933 तमे ई० वर्षे उत्तरप्रदेशस्य गाजीपुरजनपदे 'धुम-आपुरम्' इति ग्रामे जन्म अलभत्।
   ख. बाल्यकाले अब्दुलहमीदस्य अभिरुचिः मल्लविद्यायां यष्टिकाचालने लक्ष्यभेदे च आसीत्।
   ग. अब्दुलहमीदः 1954 तमे ई० वर्षे दिसम्बरमासस्य सप्तमे दिनाङ्के भारतीय सेनायां प्रवेशं प्राप्तवान्।
   घ. भारतपाकिस्तान युद्धे अब्दुल हमीदः स्वप्राणानां भयं त्यक्त्वा कन्दुकस्य क्रीडनम् इव अद्भुतं युद्धकौशलं प्रदर्शितवान्।
   ङ. पाकिस्तानसैनिकानां तृतीयेन टैङ्केन प्रक्षिप्तेन एकेन गोलकेन अब्दुलहमीदः वीरगतिं प्राप्तवान्।
2. क. प्राचीनकालादेव भारतभूमौ असङ्ख्याः **रणवीराः** जन्म अलभन्त।
   ख. अस्माकं देशे अब्दुलहमीदस्य नाम **बहुश्रद्धया** स्मर्यते।
   ग. अतः सतताभ्यासात् **आसुक्रीडासु** अयं परमकुशलः अभवत्।
   घ. 1965 तमे ई० वर्षे **पाकिस्तानदेशः** अस्माकं देशे आक्रमणम् अकरोत्।
   ङ. अयं शूरवीरः भारतीयानां कृते **स्मरणीयः, वन्दनीयः अनुकरणीयः च** अस्ति।
3. क. शूरवीराणाम् ख. अति सामान्या
   ग. पाकिस्तान देशः
4. क. भारत धरा शूरवीराणां जननी अस्ति।
   ख. अब्दुल हमीदं बाल्यकालादेव लक्ष्यभेदने विशिष्टा रुचिः आसीत्।
   ग. स्वनिष्ठया युद्धकौशलेन च सः अधिकारिणां दृष्टौ विशिष्टं स्थानं प्राप्नोत्।
   घ. सः स्वप्राणान् त्यक्त्वा स्वदेशस्य गौरवस्य रक्षामकरोत्।
   ङ. अब्दुल हमीदस्य देशभक्तिः अस्माकं कृते अनुकरणीया अस्ति।
5. कृतः = **क्त** प्राप्तवान् = **क्तवतु**
   लिखितः = **क्त** पठितुम् = **तुमुन्**
   प्रदत्ताः = **क्त**
6. क. भारतः **(v) आर्यावर्तः**
   ख. वसुन्धरा **(iv) धरा**
   ग. जननी **(vi) माता**
   घ. विश्वः **(ii) संसारः**
   ङ कुशलः **(i) प्रवीणः**
   च. निरुद्धा **(iii) अवरुद्धा**
7. क. भारतवसुन्धरा अस्माकं जननी अस्ति।
   ख. पाकिस्तान देशः भारतदेशे आक्रमणम् अकरोत्।
   ग. अमेरिकादेशस्य पक्षपातः सर्वविदितः अस्ति।
   घ. धन्यः सः वीरः।
   ङ. अब्दुलहमीदः वीरगतिं प्राप्तवान्।
8. क. प्राचीन काल से आज तक असंख्य रणवीरों ने भारत भूमि पर जन्म पाया।
   ख. अब्दुल हमीद खेलों में बहुत कुशल हो गये।
   ग. पाकिस्तान देश ने हमारे देश पर आक्रमण किया।
   घ. उस युद्ध में भारत के सैनिकों ने पूरे उत्साह से प्रतिरोध किया।
   ङ. यह शूरवीर सभी भारतीयों के लिए वंदनीय और अनुकरणीय हैं।
   च. 1965 ई० में पाकिस्तान देश हमारे देश से परास्त हुआ।
   छ. अफगानिस्तान भी पहले भारत का ही अंग था।
   ज. हमें परस्पर सौहार्द से रहना चाहिए।

क्रियात्मकं कार्यम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

13 कन्याकुमारीतः पत्रम्

अभ्यासकार्यम्

1. क. प्रज्ञा एतत् पत्रं कन्याकुमारीतः लिखति।
   ख. भारतस्य पूर्वस्यां दिशि बङ्गोपसागरः अस्ति।
   ग. प्रख्यातः राष्ट्रभक्तः युवा संन्यासी स्वामी विवेकानन्दः आसीत्।
   घ. विवेकानन्दः मातृभूमेः सेवायै आत्मानं समर्पयितुं सङ्कल्पितवान्।
   ङ. अपरस्मिन् शिलाखण्डे तिरुवल्लुवरस्य तमिलकवेः प्रतिमा अस्ति।
2. क. चरणम्, ख. विवेकानन्दशिला, ग. अरबसागरे,
   घ. तिरुवल्लुवरस्य, ङ. ध्यानम्।
3. क. कुत्र — स्थानवाचक, शेष सभी कालवाचक
   ख. पाठयति — प्रेरणार्थक क्रिया, शेष सभी सामान्य क्रिया
   ग. समुद्र — पुंल्लिङ्ग संज्ञावाची, शेष सभी नपुंसकलिङ्ग वाची
   घ. धनवान् — संज्ञावाची, शेष सभी क्रियावाची
   ङ. आगन्तुम — तुमुन् प्रत्यय युक्त, शेष सभी 'क्त्वा' प्रत्यय युक्त
4. क. मम मित्रेण अनेकानि पुस्तकानि **क्रेतव्यानि**।
   ख. सर्वे गुरुजनाः **सेवनीयाः**।
   ग. अस्माभिः कक्षायां न **हसितव्यम्**।
   घ. मया संस्कृतस्य विषये एका रचना **पठनीया**।
   ङ. सर्वदा शुद्धं जलं **पातव्यम्**।
   च. वर्षासमये गृहे **स्थातव्यम्**।
5.

	पुंल्लिङ्गम्	**स्त्रीलिङ्गम्**	**नपुंसकलिङ्गम्**
क.	विशालकायः	विशालकाया	विशालकायम्
ख.	**सङ्कल्पितः**	सङ्कल्पिता	**सङ्कल्पितम्**
ग.	**पूजनीयः**	**पूजनीया**	पूजनीयम्
घ.	लिखिताः	**लिखिता**	लिखितानि
ङ.	कर्तव्याः	**कर्तव्या**	**कर्तव्यानि**
च.	**द्रष्टव्यः**	**द्रष्टव्या**	द्रष्टव्यम्

6. क. अहं कनयाकुमायितः पत्रं लिखमि।
   ख. तस्मिन् मन्दिरे कुमारीदेव्याः एका प्रतिमा अस्ति।
   ग. विविधेभ्यः स्थानेभ्यः तीर्थयात्रिणः अत्रायान्ति।
   घ. अस्यां शिलायाम् उपविश्य विवेकानन्दः ध्यानमकरोत्।
   ङ. वयम् अस्मात् श्वः प्रस्थानं करिष्यामः।
   च. अस्माभिः विवेकानन्दस्य साहित्यं पठितव्यम्।
   छ. पर्यटनाय वयं तत्र गमिष्यामः।
   ज. वयं ग्रीष्मावकाशे कन्याकुमारीं चलेम।
7. क. हिमालय भारत की रक्षा करता है।
   ख. स्वामी विवेकानंद ने कन्याकुमारी में तपस्या की।
   ग. पूर्णिमा में वहाँ का दृश्य बहुत सुंदर होता है।
   घ. मैं पिता जी के साथ यहाँ घूमने आई हूँ।
   ङ. यह स्थान मेरे घर से अधिक दूर नहीं है।

क्रियात्मकं कार्यम्

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

14 अपूर्वः त्यागः

अभ्यासकार्यम्

1. क. पन्ना बालनृपस्य उदयसिंहस्य धात्री आसीत्।

ख. उदय: शिशु: आसीत् अत: राजपूतप्रमुखै: एकं दूरस्थं सम्बन्धिनं बनवीरं तस्य संरक्षक: नियुक्तम्।

ग. बनवीरात् उदयं रक्षितुं पन्ना तं प्रासादात् बहि: अप्रेषयत्।

घ. युवा भूत्वा उदय: बनवीरं युद्धे निहत्य चित्तौडदेशस्य राजा अभवत्।

2. क. उदयसिंहस्य ख. बनवीर:

ग. चन्दनम् घ. उदयपुरम्

3. क. राणा सङ्ग्रामसिंहस्य स्वर्गवास: अभवत्।

ख. तस्य शिशु पुत्र: उदयसिंह: राज्ञ: पदे अभिषिक्त:।

ग. राज्यस्य कृते बनवीर: उदयम् हन्तुम् ऐच्छत्।

घ. पन्ना स्वपुत्रम् उदयस्य स्थाने अस्थापयत्।

ङ. चन्दन: हत: उदय: च सुरक्षित: निर्गत:।

च. धन्य: पन्नाधात्र्या: अनुपम: त्याग:।

4.

क.	आच्छाद्य	आ + **छद्** + ल्यप्		
ख.	मिलित्वा	मिल् + **क्त्वा**		
ग.	रक्षितुम्	**रक्ष्** + तुमुन्		
घ.	आगत:	आ + गम् + **क्त**		
ङ.	गतवान्	**गम्** + क्तवतु		

5.

क.	लट्	कृ	**करोति**	कुरुत:	**कुर्वन्ति**
ख.	लृट्	स्था	स्थास्यति	**स्थास्यत:**	**स्थास्यन्ति**
ग.	लङ्	अस्	आसीत्	**आस्ताम्**	**आसन्**
घ.	लोट्	गम्	**गच्छतु**	**गच्छताम्**	गच्छन्तु
ङ.	विधिलिङ्	भू	**भवेत्**	भवेताम्	**भवेयु:**

6. क. पन्ना शय्यायां स्वपुत्रं **चन्दनम्** अस्थापयत्।

ख. **बनवीर:** बालनृपस्य संरक्षक: अभवत्।

ग. **उदयसिंह** युवा भूत्वा बनवीरं हतवान्।

घ. राजा **संग्रामसिंह:** देवलोकम् अगच्छत्।

ङ. **पन्ना** शिशो: उदयस्य पोषणं करोति स्म।

7. क. महाराणा संग्रामसिंह: एक: नृप: आसीत्।

ख. उदयसिंह: युवा भूत्वा राजा अभवत्।

ग. पन्नाधात्र्या: एक: पुत्र: आसीत्।

घ. चित्तौड़ नामकं स्थानं राजस्थान प्रदेशे असित।

ङ. राजा उदयसिंह: उदयपुर नामकं सुन्दरं नगरम् अस्थापयत्।

क्रियात्मकं कार्यम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

15 वृद्धः कपोतः

अभ्यासकार्यम्

1. क. कपोता: अरण्ये दानान् अन्वेषयन्ति उदरपूर्तिं च कुर्वन्ति स्म।

ख. कपोता: विपुला अन्नराशिं दृष्ट्वा प्रमुदिता: भवन्ति।

ग. ते व्याधस्य जालात् मूषकस्य साहाय्येन मुक्ता: अभवन्।

घ. जालात् मुक्ता: कपोता: मूषकम् अवदन् यत—''धन्यवाद: मित्रमूषक! अद्य भवत: कृपया अस्माकं जीवनं सुरक्षितम्'' इति।

2. क. एक: वृद्ध: कपोत: **दलस्य** नेता **संरक्षकश्च** आसीत्।

ख. आकाशे अनेकान् **कपोतान्** वीक्ष्य स: अतीव **प्रसन्न:** अभवत्।

ग. वृद्ध: कपोत: **प्राज्ञ:** आसीत्।

घ. त्याज्यं न धैर्यं **विधुरेऽपि** काले।

ङ. भवत: कृपया अस्माकं **जीवनं** सुरक्षितम्।

3. क. वृद्ध: कपोत: ख. तण्डुलकणा: ग. मूषक:

4. क. वने। ख. वृद्धकपोत:।

ग. तण्डुलकणान्। घ. स्वनेतारम्।

ङ. प्रमुदिता:। च. लोभवशात्।

छ. मूषक:। ज. मूषकस्य।

5.

क.	प्राज्ञ:	**(iv)**	**मूर्ख:**
ख.	आदाय	**(v)**	**दत्त्वा**
ग.	मुक्ता:	**(ii)**	**बद्धा:**
घ.	प्रमुदिता:	**(iii)**	**दु:खिता:**
ङ.	आगत्य	**(i)**	**गत्वा**

6. क. इदानीं कस्य न काऽपि चिन्ता?

ख. कपोता: कस्य जाले बद्धा: अभवन्?

ग. मूषक: कथं जालम् अकृन्तत्?

घ. कस्मात् मुक्ता: कपोता: प्रसन्ना: अभवन्?

ङ. आज्ञा केषां हि पालनीया?

7. क. एक: वृद्धकपोत: कपोतानां संरक्षक: **आसीत**।

ख. स: कपोतान् **अवदत्**।

ग. यूयं तत्र किम् **अपश्यत्**?

घ. वयं तण्डुलराशिम् **अपश्याम**।

ङ. अहं कपोतानां जालम् **अकृन्तम्**।

8.

क.	वृद्धकपोत:	अन्यान् कपोतान्
ख.	कपोता:	मूषकम्
ग.	कपोता:	स्वनेतारम्

9. क. तण्डुलराशिं **दृष्ट्वा** कपोता: प्रसन्ना: अभवन्।

ख. विद्यालयस्य कार्यं **कृत्वा** स: दूरदर्शनम् अपश्यत्।

ग. सर्वे क्रिकेट् प्रतियोगितां **द्रष्टुम्** उत्सुका: आसन्।

घ. गुरुम् **उपगम्य** अहम् अपृच्छम्।

ङ. किञ्चित् **विचिन्त्य** स: माम् अवदत्।

क्रियात्मकं कार्यम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

16 कः बुद्धिमत्तमः?

अभ्यासकार्यम्

1. क. राजा कृष्णदेवराय: तेनालीरामात् अपृच्छत् यत् तेनालीराम! सर्वेषु वर्गेषु कस्य वर्गस्य जना: बुद्धिमत्तमा: भवन्ति? इति।

ख. व्यापारिण: शिखा मानसम्मानस्य प्रतिष्ठाया: च चिह्नम् आसीत्।

ग. तदा नृप: क्रुद्ध: अभवत् यदा व्यापारी नापितं कथयति यत् अधुना एषा शिखा महाराजस्य सम्पत्ति। महाराजस्य शिखाकर्तनं भवति इति विचार्य एव शिखाकर्तनं कुर्या:।

घ. क्रुद्धं नृपं दृष्ट्वा व्यापारी स्वर्णमुद्रा: गृहीत्वा सत्वरं बहि: धावति।

ङ. व्यापारिवर्गस्य जना: बुद्धिमत्तमा: आसन्।

2. क. सभाजना: **स्व स्वस्थानेषु** उपविशन्ति।

ख. तत: **सिध्यतु** स्वकथनम्।

ग. एषा तु मम **धर्मचिह्नम्**।

घ. राजाज्ञया **व्ययस्य** क्षतिपूर्ति: भविष्यति।

ङ. तव कथनम् एव **सत्यं** प्रमाणितम्।

3. क. राजा कृष्णदेवराय: ख. नापितेन ग. व्यापारि

4. क. कृष्णदेवराय:। ख. पञ्च।

ग. नापित:। घ. नहि।

5. क. बुद्धिमत्तमा:। ख. चिरकालेपोषिता।

ग. तीक्ष्णतमा। घ. प्रमुख:।

6. क. एतत् पुष्पं तेषु पुष्पेषु **सुन्दरतम्** अस्ति।

ख. मम मित्रं वीणावादने **कुशलो** अजायत्।

ग. मम विद्यालय: तव विद्यालयात् **विशाल तर:**।

घ. तव वाटिका मम वाटिकाया: **शोभनतरा**।

ङ. एष: अश्व: सर्वेषु अश्वेषु **तीव्रतम:** धावति।

7. क. राजगुरुः। ख. व्यापारी।
ग. राजा कृष्णदेवरायः। घ. तेनालीरामः।

क्रियात्मकं कार्यम्
विद्यार्थी स्वयं करें।

17 सुवचनानि

अभ्यासकार्यम्

1. क. सत्सङ्गतिः जनानां धियः जाड्यं हरति, वाचि सत्यं सिञ्चति, मानम् उन्नयति, पापं दूरी करोति, चेतः प्रसादयति, कीर्तिं च दिक्षु प्रसारयति।
ख. सज्जनः शान्तिम् आप्नुयात्।
ग. पयोदानां स्थितिः उच्चैः भवति।
घ. नीचैः विघ्न भयेन किमपि कार्यं न प्रारभ्यते।
2. क. दानात् गौरवं प्राप्यते न तु **वित्तस्य** सञ्चयात्।
ख. **मुनिवराः** कन्दैः फलैः कालं क्षपयन्ति।
ग. सत्सङ्गतिः **कीर्तिं** दिक्षु तनोति।
घ. पुरुषस्य परं निधानं **सन्तोष** एव भवति।
3. क. सुखम् ख. शान्तिम् ग. सत्सङ्गतिः
4. क. विद्याम्। ख. गौरवम्। ग. शान्तः।
घ. शुष्कतृणैः। ङ. उत्तमजनाः।
5. क. कुतः = त्वं **कुतः** आयासि?
ख. तु = अहं **तु** चलचित्रं द्रष्टुं गच्छामि।
ग. उच्चैः = सिंहः **उच्चैः** गर्जति।
घ. अधः = वृक्षस्य **अधः** पथिकः शेते।
ङ. पुनः = इदं कार्यं **पुनः** कुरू।
च. खलु = **खलु** सज्जनाः प्राबन्धं कार्यं मध्ये न विरमन्ति।
6. क. विद्यार्थी सुखं त्यक्ष्यति।
ख. पयोधीनाम् अधः स्थितिः भविष्यति।
ग. तौ बुद्धिमन्तौ भविष्यतः।
घ. ते शतवर्षाणि जीविष्यन्ति।
ङ. वयं देवालयं गमिष्यामः।
7. **अनुवाद–**
क. निम्न लोग बाधाओं के डर से किसी कार्य को प्रारंभ ही नहीं करते हैं, मध्यम लोग कार्य प्रारंभ करके विघ्नों के भय से बीच में ही छोड़ देते हैं। किंतु उत्तम लोग किसी कार्य को प्रारंभ करने के बाद बार-बार विघ्नों के द्वार प्रताड़ित होने पर भी बीच में नहीं छोड़ते हैं, अर्थात् उसे पूरा करके ही हटते हैं।
ख. साँप हवा को पीते है और वे दुर्बल नहीं होते हैं, सूखी घास के खाने से हाथी बलवान होते हैं। कंद फलों को खाकर मुनिगण समय बिताते हैं, इसलिए व्यक्ति का संतोष ही सबसे बड़ा खजाना है।
8. क. विद्याप्राप्त्यै निरन्तरं प्रयत्नं कर्तव्यम्।
ख. विद्यापरं नास्ति अपरं धनम्।
ग. दुर्जनात् सदा दूरं स्थातव्यम्।
घ. सज्जनानां सङ्गः कल्याणकारी भवति।
ङ. वने सिंहाः गजाश्च निवसन्ति।
च. मुनयः अति सन्तोषी स्वभावस्यः भवन्ति।
छ. सर्पाः विषाक्तं वायुं पीत्वा जीवन्ति।
ज. सत्सङ्गत्याः मनुष्यः महान् भवति।

क्रियात्मकं कार्यम्
विद्यार्थी स्वयं करें।

18 राजा भोजः

अभ्यासकार्यम्

1. क. ज्योतिषीमहोदयस्य भविष्यवाणी आसीत् यत् अयं बालकः अतीव भाग्यवान्। वयस्कः भूत्वा एषः महान् नृपः भविष्यति। सर्वस्मिन् विश्वे एतस्य नाम प्रसरिष्यति।
ख. भोजः अतीव न्यायप्रियः, विद्वान्, उदारः, प्रजापालकः, लोकप्रियः नृपः आसीत्।
ग. सर्वे शिष्याः आचार्याः च अतः चकिताः अभवन् यतोहि ते विचारयन्ति स्म यत् अयं ज्योतिषी महोदयः आश्रमं प्रथमवारमेव आगतः। अनेन कथं ज्ञातं यत् सः कुमारः वस्तुतः राज्ञः पुत्रः अस्ति।
घ. बालकः भाग्यस्य अवलम्बनात् वक्रदन्तानां कारणात् वा राजा भवितुं न इच्छसि। इत्यर्थम् स्वदन्तौ अभिनत्।
2. क. कः ख. कस्य ग. कीदृशः घ. कौ
3. क. ज्योतिषी। ख. भोज। ग. प्रस्तरखण्डेन।
घ. प्राङ्गणम्। ङ. वक्रदन्तौ।
4. क. **सूर्याय** नमः।
ख. **गुरुम्** प्रति गत्वा बालकः अध्ययनं करोति।
ग. **मित्रेण** सह छात्रः विद्यालयं गच्छति।
घ. आचार्यः **शिष्याय** पुरस्कारं ददाति।
ङ. **अभ्यासम्** विना विद्या न भवति।
5. क. प्रसिद्धः (iii) **प्रख्यातः**
ख. दृष्ट्वा (i) **अवलोक्य**
ग. आचार्यः (v) **गुरुः**
घ. रक्तः (ii) **रुधिरः**
ङ. उद्यमम् (iv) **प्रयासम्**
6. क. 'अयं बालः महान् नृपः भविष्यति।'
ख. एकः ज्योतिषिः इमां भविष्यवाणीम् अकरोत्।
ग. सर्वे शिष्याः आचार्याः च चकिताः अभवन्।
घ. बालकः पृच्छति"भवान् कथं जानाति?"
ङ. तव द्वाभ्यां वक्रदन्ताभ्यां ज्ञायते–ज्योतिषिः वदति।
च. बालः प्रस्तरेण तौ दन्तौ त्रोटयति।
छ. अहं स्वपराक्रमेण राजा भविष्यामि, सः घोषयति।
ज. स एव बालः कालान्तरे भोजः नाम नृपः अभवत्।
7. क. अयं बालः एकः महान् राजा भविष्यति।
ख. अहं परिश्रमे विश्वसिमि।
ग. भाग्याश्रये न स्थातव्यम्।
घ. परिश्रमिणः जनस्य सदा विजयः भवति।
ङ. बालकस्य नाम भोजः आसीत्।

क्रियात्मकं कार्यम्
विद्यार्थी स्वयं करें।

19 पर्यावरणम्

अभ्यासकार्यम्

1. क. अनाहारदशा अनावृष्ट्या भवति।
ख. प्रदूषणस्य मुख्यतः चत्वारि क्षेत्राणि सन्ति–भूमिः, वायुः, जलं ध्वनिश्च।
ग. शस्यक्षेत्रेषु उर्वरकरणाम् अत्यधिक प्रयोगेण कारणेन शस्यक्षेत्राणां भूमिः प्रदूषिता भवति।
घ. नगराणां मलिनपदार्थानां नदीषु निष्कासनेन उद्योगेभ्यः विषाक्तानाम् अवशिष्टानां क्षेपणेन च जले प्रदूषणं वर्धते।
2. क. वृक्षाणां निरन्तरं **कर्तनं** भवति।
ख. विस्फोटकाना प्रक्षेपणैः वायोः **प्रदूषणं** भवति।
ग. द्रुतगामिनां यानानां ध्वनिना **आकाशः** प्रदूषितो भवति।
घ. मलिनानां विषाक्तानां च पदार्थानां निष्कासनं **नदीषु** न करणीयम्।
ङ. मलिनतायाः परिष्कारे **सहयोगः** करणीयः।
3.

पठति	पठतः	पठन्ति
पठसि	पठथः	पठथ
पठामि	पठावः	पठामः

4. क. (✗) ख. (✗) ग. (✓)
घ. (✓) ङ. (✓) च. (✗)
5. क. अतिवृष्टिः (आवृष्टिः, अनावृष्टिः ✓, अधिवृष्टिः)

ख. आगत: (स्वागत:, अन✓गत:, समागत:)
ग. अनिश्चितता (नि✓श्चितता, अतिचिन्तता, दुश्चिन्तता)
घ. प्राचीना: (पुरातना:, न✓ना:, पुराणा:)
ङ. न्यूनम् (नवीनम्, निम्नम्, अधि✓म्)

6. क. शिक्षक: छात्रं पाठयति।
ख. माता शिशवे दुग्धं पाययति।
ग. बालक: चित्राणि द्रष्टुम् इच्छति।
घ. पितामह मन्दिरात् आगम्य खादति।
ङ. सीता रामेण सह वनं गतवती।

7. **सामान्य क्रिया प्रेरणार्थक क्रिया**
क. पठति-बालक: पुस्तकं पठति। पाठयति-शिक्षक: गणितं पाठयति।
ख. देव: फलं खादति। माता भिक्षुकं भोजनं खादयति।
ग. रमा गृहस्य कार्यं करोति। लता देवस्य गृहकार्यं कारयति।
घ. प्रज्ञा कथां शृणोति। पितामही कथां श्रावयति।
ङ. दर्शक: नाटकं पश्यति। चित्रकार: चित्रं दर्शयति।
च. बाल: जलं पिबति। जन: पिपासितान् जलं पाययति।

8. क. अनेन परिवर्तनेन सर्वे प्राणिन: पीडिता: सन्ति।
ख. वनवृक्षाश्च संरक्षणीया: सन्ति।
ग. अस्या: दुर्दशाया: कारणं किमस्ति?
घ. कल्याणी बालान् कथां श्रावयति।
ङ. प्रदूषणं प्रतिवर्षं वर्धते।

क्रियात्मकं कार्यम्
विद्यार्थी स्वयं करें।

20 कुम्भकारस्य चातुर्यम्

अभ्यासकार्यम्

1. क. भोज: अतीव निपुण: विद्वान् प्रजापालकशचासीत।
ख. राजसभां प्राप्य सा प्रथमत: राजानं नमति पुनश्च वदतियत् देव! मृत्तिकाया: खनने मम पति: निधानकलशम् अपश्यत्। स: तस्य रक्षणाय तत्रैव अस्ति। एतन्निवेदनाय एव अहमागता।
ग. कुम्भकार: मृत्तिकाया: खनने निधानकलशं पश्यति।
घ. ''एतानि रत्नानि नक्षत्राणि खलु'' कुम्भकार: राजानं प्रति वदति।
ङ. कुम्भकारस्य वार्तां श्रुत्वा राजा निधानकलशं तस्मै एव ददाति।

2. क. मम भर्ता क्षेत्रे **मृत्तिकाम्** खनति।
ख. कुम्भकारस्य पत्नी बहु **प्रसन्ना** अभवत्।
ग. कोलाहलं श्रुत्वा **चौरा:** पलायिता:।
घ. कुम्भकार: **क्षेत्रे** धनं रक्षति।
ङ. रत्नानां प्रभया **के** चकिता: न भवन्ति?

3. क. राजा भोज: ख. द्वारपाल:
ग. निधानकलशम्

4.

	शब्द:		**विभक्ति:**	**वचनम्**	**लिङ्गम्**
क.	नगर्याम्	=	**सप्तमी**	**एकवचनम्**	**स्त्रीलिङ्गम्**
ख.	पत्नी	=	**प्रथमा**	**एकवचनम्**	**स्त्रीलिङ्गम्**
ग.	ताम्	=	**द्वितीया**	**एकवचनम्**	**स्त्रीलिङ्गम्**
घ.	प्रभया	=	**तृतीया**	**एकवचनम्**	**स्त्रीलिङ्गम्**
ङ.	रत्नानि	=	**प्रथमा**	**बहुवचनम्**	**नुपंसकलिङ्गम्**

5. **रञ्जितानि पदानि अधिकृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत।**
उत्तरम्– क. कुम्भकारस्य पत्नी कुत्र गच्छति?
ख. क: राजसभायां प्रविशति?
ग. सेवक: किम् आनयति?
घ. राजा तया सह कं प्रेषयति?
ङ. भोज: निधानकलशं कस्मै यच्छति?

6. **हिन्द्यामनुवादं कुरुत।**
उत्तरम्– क. एक बार किसी कुम्हार की पत्नी राजभवन जाकर द्वारपाल से बोली।
ख. कुम्हार सभा में जाता है और राजा से निवेदन करता है।
ग. उसकी बात सुनकर राजा कलश लाने के लिए सेवक को उसके साथ भेजता है।
घ. राजा कलश में रत्नों को देखता है।
ङ. उसकी वह बात सुनकर राजा ने वह पात्र कुम्हार को ही दे दिया।

7. **संस्कृते अनुवादं कुरुत।**
उत्तरम्– क. कुम्भकार: एक: सत्यवादी जन: आसीत्।
ख. राजा भोज: सेवकम् आदिशत्।
ग. सेवक: कलशं नीत्वा राज्ञ: समक्षम् उपस्थित:।
घ. कलश: रत्नै: पूरित: आसीत्।
ङ. राजा भोज: एक: दयालु राजा आसीत्।

क्रियात्मकं कार्यम्
विद्यार्थी स्वयं करें।

21 राज्ञः जिज्ञासा

अभ्यासकार्यम्

1. क. वर्तमान: समय: सर्वोत्तम: समय:।
ख. सर्वोत्तम: जन: निकटस्थ:जन:।
ग. साक्षात् पुरत: वर्तमानं कार्यं सर्वोत्तमं कार्यं।
घ. राज्ञ: अङ्गरक्षका आश्रमात् किञ्चिद्दूरे अतिष्ठन्।
ङ. राज्ञ: यतेश्च प्रयासेन आहत: स्वस्थ: अभवत्।

2. क. नगरात् बहि: एकस्मिन् **आश्रमे एक: यति:** वसति स्म।
ख. प्रश्नानाम् उत्तराय राजा **तत्रागच्छत्।**
ग. आश्रमात् किञ्चिद्दूरे तस्याश्व: **अङ्गरक्षकाश्च अतिष्ठन्।**
घ. स: एकाकी **सामान्यवेशेन** आश्रममगच्छत्।
ङ. यति: आश्रमे उद्यानकार्यं **करोति स्म।**

3. क. (✗) ख. (✗) ग. (✗)
घ. (✓) ङ. (✗)

4. क. **कर्मणा** एव मनुष्य: परिचित: भवति।
ख. **राजा** नगरात् **आयाति** बहि:।
ग. **भवत:** अङ्गरक्षका: मां आहतं कृतवन्त:।
घ. स: उद्यान- **कर्मणि** लग्न: आसीत्।
ङ. एक: **राजा** आसीत्।

5. क. तस्य मनसि अनेके प्रश्ना: आयान्ति।
ख. भवन्तं हन्तुम् मां प्रेषितवान्।
ग. यति: ध्यानेन राज्ञ: प्रश्नान् अशृणोत्।
घ. राज्ञ: त्रयोऽपि प्रश्ना: सरला परं गम्भीरा: आसन्।

6. क. तब कोई व्यक्ति दौड़ता हुआ वहाँ आया।
ख. उसके पेट में चाकू से हुआ घाव था।
ग. राजा ने संन्यासी के साथ मिलकर शीघ्र उसका उपचार किया।
घ. दोनों के अधिक प्रयास से उसका रक्तस्राव रुक गया।
ङ. भाग्य से उसके प्राण बच गए।

7.

क.	सर्वोत्तम:	=	**सर्व**	+	**उत्तम:**
ख.	अङ्गरक्षकाश्च	=	**अङ्गरक्षका:**	+	**च**
ग.	तस्योदरे	=	**तस्य**	+	**उदरे**
घ.	प्रत्यागमनस्य	=	**प्रति**	+	**आगमनस्य**
ङ.	क्षुरिकाघात:	=	**क्षुरिका**	+	**आघात:**
च.	रक्तस्रावोऽपि	=	**रक्तस्राव:**	+	**अपि**

क्रियात्मकं कार्यम्
विद्यार्थी स्वयं करें।

21 व्याकरणम्

विद्यार्थी स्वयं करें।